संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 11
पृष्ठ 8
शुक्रवार
27 सितम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– संभालो खुद को दिल की...

विचार– खुद को कठपुतली साबित करने पर...

खेल– जो रूट और विराट कोहली में से कौन...

हरियाणा के भाजपा कार्यकर्ताओं से पीएम मोदी ने की बात, बोले-

जो पोलिंग बूथ जीतता है वही चुनाव जीतता है

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नमो ऐप के जरिए हरियाणा के बीजेपी कार्यकर्ताओं से बातचीत की। हरियाणा में विधानसभा के चुनाव होने हैं और भाजपा सत्ता बचाने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा रही है। इस दौरान मोदी ने कहा कि हरियाणा के कार्यकर्ताओं की पुरानी पीढ़ी हो या नई पीढ़ी, उनकी मेहनत और परिश्रम ने मुझे हमेशा प्रेरित किया है। इतना ही नहीं, उनका हंसमुख स्वभाव, गंभीर से गंभीर मामले को भी बेहद समझदारी से, तर्क और विनोदी लहजे में हल्के–फुल्के अंदाज में पेश करने की क्षमता...यह हरियाणा से ही सीखा जा सकता है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि जो पोलिंग बूथ जीतता है वही चुनाव जीतता है। यह पूरा आधार उन लोगों

का झूठ है जो हमारे खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा की जनता ने भाजपा को फिर से एक बार सेवा करने का मौका देना तय कर लिया है। उनको खुशी है कि 10 साल में बिना भ्रष्टाचार के सरकार चलाना, ये हरियाणा में पहली बार हुआ है। प्रदेश के युवाओं को बिना पर्ची, बिना खर्ची के रोजगार मिलना, ये हरियाणा में पहली बार हुआ है। इसलिए हरियाणा की जनता हमारे साथ है, उनका आशीर्वाद हमारे साथ है, विजय निश्चित है। मोदी ने कहा कि आज कल तो आप देख रहे हैं, कांग्रेस के लाउडस्पीकर जो बड़े–बड़े दावे कर रहे थे, उनका करंट भी कमजोर हो गया है। कोई कह रहा है कि कांग्रेस हर दिन कमजोर होती जा रही है और पिछले 10 साल में कांग्रेस विपक्ष के रूप में भी विफल रही है। कांग्रेस पर हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि उनका ज्यादातर समय गुटबाजी में, लड़ाई करने में, एक दूसरे का हिसाब चुकता करने में खप रहा है। जो पार्टी 10 साल तक जनता के विषयों से अलिप्त रही हो, जो अपने परिवार के लिए जी हो या अपने गुट के लिए जी हो... ऐसे लोग हरियाणा की जनता का विश्वास कभी नहीं जीत सकते हैं। प्रधानमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि जो हमारे खिलाफ चुनाव के मैदान में हैं, उनका पूरा का पूरा आधार झूठ का है। लगातार झूठ बोलो, बार–बार झूठ बोलो, जहां जाओ झूठ बोलो, बिना सिर पैर की बातें करो और ऐसे ही हवा खराब करते रहो।

उमर अब्दुल्ला को चुनौती देते हुए अमित शाह बोले –

आतंकवाद को हम पाताल तक दफन करके ही हम दम लेंगे

जम्मू–कश्मीर, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के चेनानी में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने एक चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान शाह ने कहा कि आप सभी सिर्फ चेनानी के लिए वोट नहीं करेंगे बल्कि पूरे जम्मू–कश्मीर के लिए फैसला करेंगे। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि आजादी के बाद ऐसा पहली बार हो रहा है कि यहां कोई चुनाव हो रहा है, जहां न तो धारा 370 है और न ही कोई अलग झंडा। एनसी और राहुल बाबा कहते हैं कि हम धारा 370 वापस लाएंगे, लेकिन मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि न तो आप और न ही आपकी तीन पीढ़ियाँ धारा 370 को वापस ला सकेंगी। अमित शाह ने कहा कि जम्मू–कश्मीर का ये चुनाव, यहां तीन परिवारों का शासन समाप्त करने वाला चुनाव है। उन्होंने दावा किया कि जब से मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 को हटाने का फैसला किया है, तब से घाटी में शांति बनी हुई है। आतंकवाद और पथराव की घटनाओं में काफी कमी आई है। उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर 40 साल तक आतंकवाद की दहशत में रहा, 40,000 लोग मारे गए, 3,000 दिन कर्फ्यू रहा। हर दिन पाक प्रेरित आतंकवादी बम और गोलियां चलाते थे। मोदी जी की सरकार ने

धारा–370 को समाप्त कर दिया अब न पत्थरबाजी होती है, न ही गोलियां चलती हैं। विपक्ष पर वार करते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस, एनसी जम्मू–कश्मीर में फिर आतंकवाद लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि कल उमर अब्दुल्ला और राहुल बाबा कह रहे थे कि हम जम्मू–कश्मीर में लोकतंत्र लाएंगे। किस मुंह से कह रहे हैं आप? अब्दुल्ला परिवार, मुफ्ती परिवार व नेहरू–गांधी परिवार ने 70 वर्षों तक जम्मू–कश्मीर में लोकतंत्र को बांध कर रखा। उन्होंने कहा कि अब यहां पंच, सरपंच भी हैं, ब्लॉक के चुनाव हुए, जिले के चुनाव हुए, जो पहले नहीं होते थे। मोदी जी ने 40,000 जनप्रतिनिधियों को लोकतंत्र का फायदा पहुंचाया है। उमर अब्दुल्ला को चुनौती देते हुए शाह ने कहा कि आतंकवाद को हम पाताल तक दफन करके ही हम दम लेंगे। किसी की ताकत नहीं है, जो जम्मू–कश्मीर में फिर से आतंकवाद लेकर आए।

हमने किसी को रिजेक्ट नहीं किया, सब को स्वीकार किया :मोहन भागवत

नागपुर, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने मानवता पर भौतिक विकास के प्रभाव पर चिंता व्यक्त की। महाराष्ट्र के नागपुर में एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि पिछले 2,000 वर्षों में शांति और खुशी लाने के सभी प्रयोग विफल हो गए हैं। भागवत ने कहा कि भौतिक प्रगति अपने चरम पर पहुंच गई है, यह मानवता को विनाश की ओर धकेल रही है। उन्होंने कहा कि इसका उत्तर भारतीय परंपराओं में निहित है। आगे बोलते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय दर्शन ने हमेशा विविध दृष्टिकोणों को अपनाया है, जिसमें आस्तिक और नास्तिक दोनों तरह के दृष्टिकोण शामिल हैं। भागवत ने भारतीय संस्कृति की समावेशिता का जिक्र करते हुए कहा कि हमने कभी किसी को अस्वीकार नहीं किया, हमारी परंपरा सभी को स्वीकार करती है। भागवत ने जीवन में संतुलन और समन्वय की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जीवन स्वाभाविक रूप से संघर्षों से भरा है, लेकिन इन संघर्षों में एक छिपा हुआ सामंजस्य है जिसे महसूस किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पिछले 2,000 वर्षों में विभिन्न वैश्विक प्रयासों के बावजूद, कोई भी प्रणाली स्थायी शांति और खुशी लाने में सक्षम नहीं है। महात्मा गांधी को उद्धृत करते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा कि वह बदलाव खुद में कीजिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं। आप वह बनिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में वैश्विक समुदाय के सामने आने वाली समस्याओं का समाधान देने की क्षमता है।

कांग्रेस विघटनकारी ताकतों को देती है बढ़ावा : जेपी नड्डा

ओडिशा, एजेंसी। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने ओडिशा में सदस्यता अभियान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस को शहरी नक्सलवाद का प्रवक्ता करार दिया। नड्डा ने शुरूआत में कहा कि आप भाजपा के सदस्य बन रहे हैं, तो मैं कुछ बातें आपके ध्यान में लाना चाहता हूं। ताकि आपको ये महसूस हो और विश्वास हो कि आप अगर भाजपा के सदस्य बन रहे हैं, तो आप सही काम कर रहे हैं और सही जगह जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं राजनीति में लंबे समय से हूं। इस देश में लगभग 5 हजार छोटी–बड़ी पार्टियां हैं और लगभग 50 के आसपास सक्रिय

पार्टियाँ हैं। लेकिन भाजपा अकेली ऐसी पार्टी है, जो राष्ट्रीय पार्टी है, लोकतांत्रिक पार्टी है, विचारधारा पर आधारित पार्टी है, कैडर आधारित पार्टी है। जेपी नड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एकमात्र राजनीतिक दल है जिसकी एक विचारधारा है। यह सबसे पारदर्शी, लोकतांत्रिक और प्रगतिशील पार्टी है। हमारी पार्टी में हम जमीनी स्तर से आकर नेतृत्व करने वाले लोगों का सम्मान करते हैं और उन्हें प्रोत्साहित करते हैं और भाई–भतीजावाद के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि अभी हमारी सदस्यता चल रही है। इस सदस्यता के बाद सक्रिय सदस्य बनेंगे। फिर मंडल का चुनाव होगा, फिर जिले का चुनाव होगा, फिर राज्य का चुनाव होगा और राज्य में चुने गए लोग राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनेंगे। ये प्रक्रिया सिर्फ भाजपा में ही होता है। इसलिए हमारे यहां किसी नेता का बेटा नेता नहीं बनता, बल्कि जमीन से आया हुआ कार्यकर्ता ही नेता बनता है। विपक्ष पर वार करते हुए नड्डा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी शहरी नक्सलियों की प्रवक्ता बन गयी है। वह देश में विघटनकारी ताकतों को बढ़ावा देने का काम कर रही है। लेकिन, जब से बीजेपी सत्ता में आई है, कांग्रेस जैसी पार्टियां बेचैन हो गई हैं। उन्होंने कहा कि हमारी पिछली सदस्यता 18 करोड़ रही थी। हमारे यहां हर 6 साल के बाद चाहे कोई भी हो, प्रधानमंत्री जी से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष और साधारण कार्यकर्ता तक सब की सदस्यता समाप्त हो जाती है। और फिर से नया सदस्य बनना पड़ता है। इसलिए 2 सिंतबर को प्रधानमंत्री जी पहले सदस्य बनें, फिर मैं सदस्य बनाया, अमित शाह जी और रक्षा मंत्री जी सदस्य बनें और इस तरह आज हमारी सदस्य संख्या 6 करोड़ पार कर गई है। कांग्रेस पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि वे साइलो में काम करते हैं,

योगी किसानों पर मेहरबान, लिए पांच बड़े फैसले

लखनऊ, एजेंसी। योगी सरकार ने प्रदेश के किसानों के लिए कई बड़े फैसले लिए हैं। इन फैसलों को राज्य के सभी जिलों में लागू किया जायेगा, जिससे किसानों को फायदा होगा। यूपी में किसानों के लिए 5 बड़े फैसले जिनमें क्रमशः उत्तर प्रदेश सरकार ने धान क्रय नीति को स्वीकृति देते हुए इसका लक्ष्य निर्धारित कर दिया है। इस बार 70 लाख टन खरीद का लक्ष्य रखा गया है। यूपी सरकार ने इस बार धान के न्यूनतम मूल्य में 117 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की है। अब धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य एमएसपी 2320 रुपये प्रति क्विंटल रखा गया है। यूपी सरकार ने आदेश देते हुए कहा है की पश्चिमी यूपी में एक अक्तूबर से और पूर्वी यूपी व मध्य यूपी में एक नवंबर से धान की खरीद शुरू हो जाएगी। धान के साथ मोटे अनाज की खरीद भी 1 अक्टूबर से शुरू करने जा रही है। इसको लेकर दिशा निर्देश जारी किया गया है। वहीं मक्का का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2225 रुपये प्रति क्विंटल, बाजरा का 2625 रुपये, ज्वार हाइब्रिड का 3371 व ज्वार मालवांडी का 3421 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है।

परिवर्तन यात्रा को लेकर झारखंड पहुंचे राजनाथ सिंह, कहा-

राजीव गांधी के समय 100 में से 85 रुपए भ्रष्टाचार के भेंट चढ़ जाता था

धनबाद, एजेंसी। राजनाथ सिंह ने धनबाद में कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत 'भ्रष्ट' झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन को विधानसभा चुनाव में झारखंड से बाहर होने से नहीं रोक

सकती। जेएमएम का मतलब है जमकर मलाई मारो। झारखंड के सीएम तो 'बालू से भी तेल' निकालने में माहिर हैं। झारखंड के आदिवासी भाइयों एवं बहनों का गौरवशाली इतिहास रहा है। झारखंड के विकास में तीन 'स्पीड ब्रेकर' हैं। वैश्विक अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि 2027 तक अमेरिका, चीन के बाद भारत तीसरी शीर्ष अर्थव्यवस्था बन जायेगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल जाने के बाद खुद को शहीद के तौर पर पेश कर रहे हैं। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि राजीव गांधी के समय 100 रुपए अगर भेजे जाते थे तो आपके जेब में 15 रुपए पहुंचते थे। 85 रुपए भ्रष्टाचार के भेंट चढ़ जाता था लेकिन आज अगर 100 रुपए दिल्ली के बैंक से भेजे जाते हैं तो 100 का 100 रुपए आपके खाते में पहुंचते हैं। 'भ्रष्ट' मुख्यमंत्री झारखंड को विकास की ओर नहीं ले जा सकते। झारखंड के अभूतपूर्व विकास के लिए भाजपा को लगातार दो कार्यकाल दीजिए। बीजेपी की परिवर्तन यात्रा को लेकर गोल्फ ग्राउंड में बारिश थमते ही समर्थक पहुंचने लगे। भारी बारिश के कारण लोग काफी देर तक परेशान रहे। बारिश रुकते ही मंच पर देशभक्ति गीत से माहौल राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत हो गया।

मोदी जी बहुत ताकतवर, पर भगवान नहीं

जेल से निकलने के बाद पहली बार विधानसभा में बोले केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को अपने इस्तीफे के बाद पहली बार दिल्ली विधानसभा को संबोधित करते हुए अपने विरोधियों पर कटाक्ष किया। इसके साथ ही उन्होंने जमानत के लिए भगवान का धन्यवाद भी किया। उन्होंने भाजपा पर तंज भरे लहजे में कहा कि विपक्ष में मेरे साथी मनीष सिसोदिया और मुझे यहां देखकर दुखी होंगे। उन्होंने अपना हमला जारी रखते हुए कहा कि मैं हमेशा कहता हूं कि पीएम मोदी बहुत शक्तिशाली हैं और उनके पास बहुत सारे संसाधन हैं लेकिन मोदी भगवान नहीं हैं लेकिन जो भगवान हैं वह हमारे साथ हैं। मैं सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद देना चाहता हूं। केजरीवाल ने कहा कि आज मैं सीएम के साथ सड़क निरीक्षण के लिए गया था। मेरे जेल जाने से पहले दिल्ली विश्वविद्यालय की सड़कें बहुत अच्छी हुआ करती थीं और मैंने उनसे वहां की सड़कों की मरम्मत के लिए आदेश पारित करने के लिए कहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैं तीन–चार दिन पहले एक भाजपा नेता से मिला था। मैंने उनसे पूछा कि क्या मुझे जेल भेजने से कोई फायदा हुआ तो उन्होंने कहा कि हमने पूरी दिल्ली सरकार को पटरी से उतार दिया। उन्होंने कहा कि मैं स्तब्ध रह गया कि देश की राजधानी के 2 करोड़ लोगों की जिंदगी खराब करके वे खुश हो रहे हैं...

छात्राओं को खून से लथपथ तड़पता देख भड़क गए ग्रामीण, डंपर में लगाई आग, एसीपी से तीखी नोकझोंक

प्रयागराज। मेजा में बेकाबू डंपर द्वारा छात्राओं को रौंदने के बाद मची चीखपुकार सुन मौके पर पहुंचे ग्रामीण खून से लथपथ छात्राओं को देखकर भड़क उठे। इसके बाद उन्होंने डंपर को आग के हवाले कर दिया। इंस्पेक्टर और दरोगा समझाते रह गए लेकिन ग्रामीणों ने एक न सुनी। उनमें चालक के मौके से भाग निकलने को लेकर भी भारी आक्रोश था। बाद में उसे हिरासत में लिए जाने की जानकारी पर वह शांत हुए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के बाद छात्राओं में चीखपुकार मच गई। आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़े और वहां पहुंचकर देखा कि एक छात्रा मृत पड़ी है। जबकि अन्य छात्राएं खून से लथपथ पड़ीं तड़प रही थीं। यह देख ग्रामीण भड़क उठे।वह डंपर की ओर बढ़ने लगे तो मौके पर मौजूद इंस्पेक्टर मेजा व दरोगाओं ने उन्हें रोकने की कोशिश की। हालांकि, आक्रोशित लोगों ने उनकी एक न सुनी। तब तक मौके पर एसीपी मेजा

रवि कुमार गुप्ता भी पहुंच गए। उन्होंने समझाना चाहा तो भीड़ में शामिल लोगों ने पहले नोकझोंक और फिर धक्कामुक्की की। इसके बाद पुलिस देखती रह गई और भीड़ में शामिल कुछ लोगों ने पुलिस के सामने डंपर में आग लगा दी। पुलिसकर्मी पानी फेंकने लगे तो उन्हें रोक दिया। फायरब्रिगेड पहुंची तो उसे भी रोकने की कोशिश की। घटनास्थल के पास ही सड़क पर बैठकर जाम लगा दिया। बाद में बहुत समझाने पर शांत हुए। सड़क हादसे में डंपर के नीचे नौवीं की छात्रा सिमरन का हाथ दब गया। 36 मिनट की मशक्कत के बाद पुलिस छात्रा को निकाल सकी। पुलिस ने जैक लगाने के साथ ही उसे बाहर निकालने के लिए जेसीबी की भी मदद ली। इसके बाद छात्रा को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। इस मामले में पुलिस की चूक भी सामने आई। अगर समय रहते मौके पर अतिरिक्त फोर्स बुलाई गई होती तो शायद लोग आगजनी न कर पाते। पांच छात्राओं के डंपर की चपेट में आने की खबर पर न सिर्फ समहन बल्कि आसपास के गांवों के लोग भी जुटने लगे। मेजा थाने की फोर्स लेकर इंस्पेक्टर पहुंचे लेकिन लोगों की संख्या बहुत ज्यादा थी। बाद में कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची लेकिन तब तक डंपर में आग लगाने के साथ ही आक्रोशित भीड़ हाईवे भी जाम कर चुकी थी। आक्रोशित लोगों ने कई सवाल भी उठाए। उनका कहना था कि ओवरलोड वाहन मौत बनकर दौड़ते हैं। लगातार हादसे हो रहे हैं। इसके बावजूद पुलिस प्रशासन चेत नहीं रहा है। सभी का एक ही सवाल था कि ओवरलोड ट्रकों का संचालन क्यों किया जा रहा है। जबकि स्कूल टाइम में ट्रकों के संचालन पर रोक लगाई गई है। आक्रोशित लोगों के सामने पुलिस असहाय महसूस कर रही थी। हादसे में जान गंवाने वाली रिद्धि बड़ा अफसर बनना चाहती थी। वह दिन–रात पढ़ाई करती थी। स्कूल के साथ कोचिंग भी जाती थी। बार–बार यही कहती थी कि अफसर बनकर घरवालों का सपना पूरा करूंगी। हालांकि, इस हादसे ने यह सपना चकनाचूर कर दिया। बेटी की मौत के बाद बिलखते हुए यह बातें मां रीतू ने कहीं। बताया कि रिद्धि के पिता जयकृष्ण मिश्रा की भी मौत सड़क दुर्घटना में हुई थी। तीन वर्ष पहले मेजा के तेंदुआ गांव के सामने यह हादसा हुआ था। मां बेटी की साइकिल देखकर फफक–फफक कर रोती रही। पिता की मौत के बाद रिद्धि मां का सहारा थी। उसका एक छोटा भाई है। समहन गांव के सामने सड़क हादसे को लेकर काशी प्रसाद सिंह इंटर कॉलेज कठौली के शिक्षक स्तब्ध हैं। शिक्षकों का कहना है कि स्कूल की छुट्टी के समय ट्रकों के संचालन पर रोक लगाने के लिए कई बार पुलिस से कहा गया, लेकिन एक नहीं सुनी गई। इसका नतीजा है कि एक छात्रा की मौत हो गई और चार छात्राएं घायल हैं। स्कूल के प्रबंधक अजीत सिंह ने कहा कि सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक ट्रकों का संचालन पूरी तरह से बंद होना चाहिए। ट्रकों का संचालन बंद न हुआ तो पुलिस कमिश्नर से मिलेंगे। भाजपा नेता योगेश शुक्ला ने ओवरलोड ट्रकों का संचालन पूरी तरह से बंद करने की मांग की। समहन मेजा में हुए दर्दनाक हादसे में छात्रा की मौत पर दुख जताते हुए सांसद उज्जवल रमण सिंह ने परिवार के लिए मुआवजे की मांग की है। साथ ही घायलों का निरूशुल्क इलाज किसी बड़े अस्पताल में कराने की भी मांग की है।

सड़क हादसे में डंपर के नीचे फंसी नौवीं की छात्रा सिमरन को 36 मिनट की मशक्कत के बाद पुलिस निकाल सकी। पुलिस ने जैक लगाने के साथ ही उसे बाहर निकालने के लिए जेसीबी की मदद ली। इसके बाद छात्रा को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। सड़क हादसे में नौवीं की छात्रा सिमरन निवासी बलुहा ट्रक के नीचे फंस गई थी। उसका हाथ ट्रक के पिछले टायर के नीचे दब गया था। हादसे के बाद बाद वह चीखती रही। रेस्क्यू टीम को बुलाकर 36 मिनट के के बाद सिमरन को बाहर निकाला जा सका।

प्रयागराज में 7 थानेदार लाइन हाजिर: पुलिस कमिश्नर ने 100 दिन बाद किया फेरबदल, कई दरोगाओं को थाने का चार्ज मिला

प्रयागराज। प्रयागराज में काफी दिनों बाद थाना प्रभारियों और चौकी इंचार्ज के कार्यक्षेत्र बदले गए हैं। सात थानेदारों को लाइन हाजिर कर दिया गया। यानि उनसे थानों का प्रभार लेकर पुलिस

लाइन में आमद करा दी गई। जबकि कई थाना प्रभारियों को इधर से उधर किया गया। प्रयागराज कमिश्नरेट में नए पुलिस आयुक्त तरुण गाबा को 100 दिन पूरे हो गए हैं। काफी दिनों से चर्चा थी कि अब थानेदारों में बदलाव होंगे। पुलिस कमिश्नर ने कई थानेदारों से कुर्सी छीन ली तो कई दरोगाओं को चार्ज दे दिया। इंस्पेक्टर तुषार दत्त त्यागी को प्रभारी निरीक्षक दारागंज से प्रभारी निरीक्षक बारा स्थानान्तरित किया गया है। इंस्पेक्टर ज्ञानेश्वर मिश्र को प्रभारी नारकोटिक्स सेल, क्राइम ब्रांच से प्रभारी निरीक्षक दारागंज बना दिया गया। इंस्पेक्टर अनिल कुमार मिश्र को न्यायालय पुलिस आयुक्त से प्रभारी निरीक्षक नवाबगंज स्थानान्तरित किया गया।

प्रयागराज में BJP दिव्यांग नेता को धक्का मार के भगाया

प्रयागराज। प्रयागराज में बीजेपी के एक दिव्यांग नेता और अग्निशमक अधिकारी के बीच तूतू–मैंमै का वीडियो सामने आया है। भारतीय जनता पार्टी दिव्यांग प्रकोष्ठ प्रयागराज के महानगर प्रभारी दिव्यांग लवलेश सिंह को धक्का मारकर फायर ब्रिगेड ऑफिस से भगा दिया गया। पैर से दिव्यांग लवलेश और अग्निशमक अधिकारी राजेश कुमार के बीच बहस का वीडियो खुद बीजेपी नेता बना रहे थे। वीडियो में दिख रहा है कि अग्निशमक अधिकारी गुस्से में उन्हें भगाते नजर आ रहे हैं। 45 साल के दिव्यांग लवलेश का कहना है कि उन्हें धक्का मारकर ऑफिस से निकाला गया। मोबाइल पर हाथ मार दिया गया। इसकी वजह से पूरा वीडियो नहीं बन सका। दिव्यांग नेता ने बदतमीजी, गाली गलौज और मारते–पीटते हुए, धमकी देने का आरोप लगा रहे हैं। लवलेश का कहना है कि वह 11 साल से कांशीराम कॉलोनी देवघाट झलवा में दुर्गा पूजा पंडाल लगा रहे हैं। उसी की एनओसी के लिए फायर ब्रिगेड का चक्कर काट रहे हैं। पिछले सालों में एनओसी दी गई। लेकिन इस बार कहा जा रहा है कि तुम दिव्यांग हो इसलिए पहले हलफनामा लगाओ। राजरूपपुर के रहने वाले लवलेश ने मामले की शिकायत महापौर समेत भाजपा के नेताओं से की है। उनका कहना है कि अधिकारियों के पास भी शिकायत भेजी है।

झूठे मुकदमे में ससुराल के लोगो को जेल भेजना क्रूरता, तलाक की अर्जी के खिलाफ पत्नी की अपील खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पति और उसके परिजनों के खिलाफ झूठा अपराधिक मुकदमा कराना क्रूरता की श्रेणी में आता है। इससे पति के मन में असुरक्षा की भावना जागृत होना लाजमी है। लिहाजा, ऐसी क्रूरता तलाक के लिए पर्याप्त आधार है। यह आदेश न्यायमूर्ति एसडी सिंह और न्यायमूर्ति डी रमेश की खंडपीठ ने कानपुर नगर निवासी तृप्ति सिंह की अपील खारिज करते हुए दिया है। तृप्ति सिंह की शादी 2002 में अजातशत्रु के साथ हुई थी। शादी के बाद एक बेटा हुआ। पत्नी ने 2006 में पति को छोड़ दिया। इसके बाद पति ने परिवार न्यायालय कानपुर में तलाक का मुकदमा दाखिल किया। इसके बाद पत्नी ने पति और उसके परिवार वालों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न और अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज करा दिया। इन आरोपों के कारण पति और उसके परिवार के सदस्यों को जेल जाना पड़ा। वह बाद में जमानत पर छूटने के बाद पति ने परिवार न्यायालय कानपुर में तलाक की अर्जी दाखिल की। जो स्वीकार हो गई। पत्नी इसके खिलाफ हाइकोर्ट पहुंची। कोर्ट ने पत्नी की अपील खारिज कर दी। कहा कि परिजन दहेज के झूठे मुकदमे से भले ही बरी हो गए, लेकिन जेल जाने से उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा।

भाजपा पार्षद के भतीजे ने सफाईकर्मी को पीटा, नाराज साथियों ने घेरी कोतवाली, जमकर किया हंगामा

प्रयागराज। प्रयागराज नगर निगम की भाजपा पार्षद सुनीता चोपड़ा के भतीजे सनी चोपड़ा ने सफाई कर्मचारी की जमकर पिटाई कर दी। यही नहीं उसने उसे पुलिस के हवाले कर दिया। घटना की जानकारी होते ही सफाई कर्मचारियों ने बृहस्पतिवार को काम ठप करने के बाद कोतवाली का घेराव कर दिया। बड़ी संख्या में जुटे सफाई कर्मचारियों ने कोतवाली के सामने पुलिस और पार्षद के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। करीब तीन घंटे से हंगामा चल

रहा है। भाजपा पार्षद भी मौके पर पहुंच गईं और उन्होंने समझौते का प्रयास किया, लेकिन सफाई कर्मचारी मानने के लिए तैयार नहीं हुए। वह आरोपी सनी चोपड़ा के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हैं। पार्षद सुनीता चोपड़ा का कहना है कि घटना रात की है। मनोज और विनोद नाम के दो सफाई कर्मियों ने भतीजे के साथ अभद्रता की और हाथापाई का प्रयास किया। इसके बाद पुलिस को बुलाया गया था। वह समझौते का प्रयास कर रही हैं। उधर, कर्मचारी नेताओं का कहना है कि वह किसी भी कीमत पर पीछे नहीं हटेंगे। भाजपा पार्षद के भतीजे पर जब तक एफआईआर दर्ज नहीं हो जाती है वह अपना आंदोलन और प्रदर्शन जारी रखेंगे और थाने के सामने से नहीं हटेंगे।

कलेक्टर के पत्र में आयुक्त को माननीय लिखने पर हाईकोर्ट ने जताई हैरानी, पूछा- सरकारी अधिकारी माननीय कैसे

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सरकारी अधिकारियों के नाम से पहले माननीय शब्द जोड़े जाने को लेकर हैरानी जताई है। कोर्ट ने राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव से पूछा है कि राज्य के सरकारी अधिकारी माननीय कैसे हैं? किस प्रोटोकॉल के तहत वे अपने पदनाम या नाम के साथ माननीय शब्द लगाने के हकदार हैं। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर की अदालत ने कृष्ण गोपाल राठौर की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान पाया कि सरकारी पत्राचार में राज्य के विभिन्न रैंक के अधिकारियों के नाम के साथ माननीय शब्द का उल्लेख नियमित रूप से किया जा रहा है। मौजूदा मामले में भी मंडलायुक्त कानपुर को लिखे पत्र में इटावा के कलेक्टर ने माननीय आयुक्त के रूप में संदर्भित किया था। कोर्ट ने कहा कि यह हैरानी वाली बात है कि राज्य के मंत्री व अन्य संप्रभु पदाधिकारियों के लिए प्रयोग किया जाने वाला माननीय शब्द का प्रयोग राज्य सरकार के अधीन सेवारत अधिकारी के लिए कैसे किया जा रहा है। कोर्ट ने राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव से हलफनामे पर उस प्रोटोकॉल की जानकारी तलब की है, जिसके तहत राज्य के अधिकारी अपने नाम के साथ माननीय शब्द उपसर्ग के रूप में जोड़ने के हकदार हैं। कोर्ट ने रजिस्ट्रार (अनुपालन) को आदेश की प्रति 24 घंटे के भीतर लखनऊ व इटावा के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के जरिये राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव और कलेक्टर इटावा को भेजने का आदेश दिया है।

एक साल से डीएफसी लाइन का पुल बंद होने से किसानों ने शुरू की भूख हड़ताल

प्रयागराज। डीएफसी लाइन का एक पुल बीते एक साल से बंद होने से किसानों में आक्रोश है। नाराज किसानों ने गुरुवार को सूबेदारगंज में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी। भाकियू किसान यूनियन टिकैत गुट के बैनर तले हुए प्रदर्शन में किसानों ने कहा कि रेलवे पुल चालू न होने से किसानों को ट्रैक पार करके जाना पड़ता है। इसके कारण सालभर में पांच किसानों की मौत हो चुकी है। इसे शुरू कराने की मांग पूर्व में कई बार रखी गई, लेकिन अफसरों पर कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। नाराज किसानों ने कहा कि अब आरपार की लड़ाइ शुरू करने का वक्त आ चुका है।

सांसद कंगना के बयान पर भड़के किसान, किया प्रदर्शन

प्रयागराज। तीन कृषि बिलों को वापस लाने के सांसद कंगना रानौत के बयान पर किसानों में आक्रोश है। नाराज किसानों ने भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के बैनर तले गुरुवार को एयरपोर्ट चौराहे पर प्रदर्शन किया। इस दौरान भाकियू के प्रदेश अध्यक्ष अनुज सिंह के नेतृत्व में जुटे किसानों ने सांसद से अपना बयान वापस लेने की मांग की। प्रदेश अध्यक्ष अनुज सिंह ने कहा कि यह बयान पूरी तरह से किसानों के विरोध में है। भाजपा सांसद की मंशा वही है जो भाजपा की है। इसे लेकर किसान आरपार की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं।

जसरा के पांच छात्रों का प्रदेश स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में चयन

गंगापार। माध्यमिक विद्यालयों की मंडल स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता सीएवी इंटर कॉलेज के नेतृत्व में मदन मोहन मालवीय स्टेडियम प्रयागराज में संपन्न हुई। जिसमें स्थानीय विद्यालय श्री ईश्वरदीन छेदीलाल इंटर कॉलेज जसरा के 6 छात्रों का चयन प्रदेश स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में लिए गए। जिसमें रवि पटेल कक्षा 12, प्रियांशु पाल कक्षा 12, अंकित यादव कक्षा 11, सुरेंद्र कुमार कक्षा 10 तथा आशीष गौड़ कक्षा 10 के छात्र का चयन प्रदेश स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता के लिए किया गया। सभी छात्रों को विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ योगेन्द्र सिंह ने प्रार्थना सभा में सम्मानित किया और प्रदेश स्तरीय कुश्ती में विजयी होने का आशीर्वचन दिया। उल्लेखनीय है कि यह छात्र अब प्रदेश स्तर पर प्रतिभाग करने के लिए गोरखपुर जायेंगे। विद्यालय के खेल शिक्षक राकेश श्रीवास्तव ने इसे छात्रों के अथक परिश्रम का परिणाम बताया। इस अवसर पर सुनील कुमार साहू, चन्द्रशेखर, कुलभूषण मिश्रा, राजेश द्विवेदी, अचलेन्द्र जायसवाल, राम लखन प्रजापति, विकास केसरी, जगदीश सिंह तोमर आदि मौजूद रहे।

बाढ़ का पानी उतरने के बाद प्रयागराज के गांवों में भेड़िए का खतरा, वन विभाग का सर्च ऑपरेशन शुरू

प्रयागराज। प्रयागरज के कई गांवों में भेड़िए का खतरा मंडरा रहा है। बहराइच और संभल के बाद अब बहादुरपुर विकास खंड के ककरा–कोटवा कछार में किसानों को कथित भेड़ियों का डर सता रहा है। किसानों का दावा है कि बाढ़ के बाद से जंगल में दो भेड़िये देखे गए हैं।

हालांकि किसी पर हमला नहीं किया है। सूचना पर वन विभाग भी हरकत में है। रेंजर फूलपुर अशोक ने बताया कि सर्च ऑपरेशन चलाया गया था पर दिखा नहीं। वन विभाग का कहना है कि पैरों के निशान खोजने की कोशिश की जा रही है जिससे जानवर की जानकारी हो सके। बहादुरपुर विकास खंड के ककरा, कोटवा, लीलापुर, तिवारीपुर, नीबी और छिबैया गांवों के सामने गंगा की दो धाराओं के बीच हजारों एकड़ क्षेत्र का जंगल है। यहां किसान बड़े पैमाने पर खेती करते हैं। कोटवा निवासी किसान अशोक भारतीया ने बताया कि बाढ़ के बाद से कछार में दो भेड़िये कई बार दिखे हैं। बाढ़ की वजह से सभी किसान अपने परिवारों के साथ जंगल छोड़कर गांव आ गए थे। अब जबकि बाढ़ का पानी उतर चुका है, किसान खेती के लिए फिर से लौटने की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में अब उनमें दहशत की स्थिति है। वहीं, किसान मोनू सिंह ने बताया कि भेड़िये को कई बार कछार में देखा गया है। बता दें कि कई गांवों में भेड़िए का आतंक मचा हुआ है। इतना ही नहीं कई इलाकों में सियारों ने भी लोगों और मवेशियों पर हमला किया है। ऐसे में लोगों को जंगली जानवरों का खतरा है। बच्चों को घरों से बाहर अकेले नहीं निकलने दिया जा रहा। गांव वालों में खेतों में जाने के लिए लाठी–डंडे लेकर जाना शुरू कर दिया है। वन विभाग का कहना है कि जानवर की जानकारी निकाल कर उसे पकड़ने की तैयारी की जाएगी।

इविवि के 14 शिक्षक दूसरे विवि किया नेतृत्व

प्रयागराज। इविवि के विधि विभाग के प्रो. जय शंकर सिंह राजीव गांधी राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब के कुलपति है। वह इविवि के 14 वें प्रोफेसर हैं जो कुलपति बने हैं। मनोविज्ञान विभाग के प्रो. जनक पांडेय बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, संगीत विभाग की अध्यक्ष रहीं प्रो. स्वतंत्र शर्मा मध्य प्रदेश के राजा मानसिंह तोमर संगीत विश्वविद्यालय, भौतिक विज्ञान विभाग के प्रो. अविनाश चंद पांडेय बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, इविवि कॉमर्स विभाग के शिक्षक रहे प्रो. पीयूष रंजन अग्रवाल पूर्वांचल विश्वविद्यालय, बायो टेक्नोलॉजी के शिक्षक प्रो. डीके गुप्ता जय प्रकाश विश्वविद्यालय, राजनीति विज्ञान के प्रो. एमपी दुबे राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. जीसी त्रिपाठी बीएचयू भौतिक विज्ञान विभाग के प्रो. राजाराम यादव वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति रह चुके हैं।

कार्यालय ग्राम पंचायत ..सिकरौं.. विकासखंड ....मऊ....चित्रकूट

पत्रांक/ मेमो/ मनरेगा /टैंडर नोटिस /2024-2025 दिनांक- 26-09-2024

अल्पकालीन निविदा सूचना

मनरेगा योजना के अंतर्गत उपरोक्त ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले निम्नलिखित कार्य पर प्रयुक्त होने वाली सामग्री आपूर्ति हेतु अधोहस्ताक्षरी द्वारा व्यापार कर/आयकर में पंजीकृत फर्मो/सप्लायरो से दिनांक. 03-10-2024 को अपरान्ह.. 01..बजे तक निम्न विवरण के अनुसार निविदाये आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन अपरान्ह.. 03..बजे तक ग्राम पंचायत में तैनात निर्माण समिति द्वारा उपस्थित निविदा दाताओ के साथ खोली जाएगी। निविदा प्रपत्र की बिक्री दिनांक 27-09-2024 से 03-10-2024 को अपरान्ह 01बजे तक ग्राम पंचायत में विविध प्रपत्र मूल की अदायगी कर क्रय किये जा सकते है।

क्रं० सं०	कार्य का नाम	सामग्री का विवरण	मात्रा	प्राकलन की धनराशि लाख रु० में	प्रतिशत धरोहर धनराशि रु० में	निविदा मूल्य रु० में
01.	ग्राम पंचायत सिकरौं में देवकुमार के घर से केशन के घर तक इंटरलाकिंग व नाली निर्माण कार्य	प्राकलन के अनुसार	प्राकलन के अनुसार	3.81181 रु०	2%	500
02.	ग्राम पंचायत सिकरौं में संतोष के घर से तुन्ना के घर तक इंटरलाकिंग व नाली निर्माण कार्य	प्राकलन के अनुसार	प्राकलन के अनुसार	5.28679 रु०	2%	500

निविदा शर्ते-

नोट- निविदा से समबन्धित शर्ते ग्राम पंचायत के कार्यालय के पटल पर देखी जा सकती है
समस्त सामग्री का नाम और उसकी मात्रा ग्राम पंचायत के कार्यालय के पटल पर देखी जा सकती है

ग्राम विकास अधिकारी — ग्राम पंचायत
सचिव सिकरौं — प्रधान सिकरौं

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेंडरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मण्डल रेल प्रबंधक/विद्युत/वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन "खुली" निविदायें (ई–टेंडरिंग) आमंत्रित करते है– उपरोक्त ई–निविदा के पूर्ण विवरण एवं निविदा में भाग लेने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जायें। क्र.सं. 1 निविदा सूचना संख्या : ई–निविदा–एल–28–24–25 कार्य का नाम (हिन्दी) : PRRB-ARJ-POKL-ARJ-GCT सेक्शन में विभिन्न भवनों पर ऑन ग्रिड सौर प्रणाली का प्रावधान। अनुमानित लागत (रू.) : 166707128.16 अमानत राशि (रू.) : 983500.00 कार्य समापन अवधि : 06 माह निविदा समापन की तिथि एवं समय : 18.10.2024 14:30 बजे निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 18.10.2024 14:30 बजे क्र.सं. 2 निविदा सूचना संख्या : ई–निविदा–एल–29–24–25 कार्य का नाम (हिन्दी) : CI-CPJ & GKC-PNYA सेक्शन में विभिन्न भवनों पर ऑन ग्रिड सौर प्रणाली का प्रावधान। अनुमानित लागत (रू.) : 174063549.76 अमानत राशि (रू.) : 1020400.00 कार्य समापन अवधि : 06 माह निविदा समापन की तिथि एवं समय : 18.10.2024 14:30 बजे निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 18.10.2024 14:30 बजे क्र.सं. 3 निविदा सूचना संख्या : ई– निविदा –एल–30–24–25 कार्य का नाम (हिन्दी): CPR-BTT-GKC सेक्शन में विभिन्न भवनों पर ऑन ग्रिड सौर प्रणाली का प्रावधान। अनुमानित लागत (रू.) : 148081663.82 अमानत राशि (रू.) : 890400.00 कार्य समापन अवधि : 06 माह निविदा समापन की तिथि एवं समय : 21.10.2024 14:30 बजे निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 21.10.2024 14:30 बजे क्र.सं. 4 निविदा सूचना संख्या : ई–निविदा– एल–31– 24–25 कार्य का नाम (हिन्दी) : GCT (छोड़कर)-BUI-CPR सेक्शन में विभिन्न भवनों पर ऑन ग्रिड सौर प्रणाली का प्रावधान। अनुमानित लागत (रू.) :154228681.82 अमानत राशि (रू.) : 921200.00 कार्य समापन अवधि : 06 माह निविदा समापन की तिथि एवं समय : 21.10.2024 14:30 बजे निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 21.10.2024 14:30 बजे

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/मुजाथि/विद्युत–138 सामान्य,वाराणसी

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

काशी हिंदू विश्वविद्यालय में पुस्तक लोकार्पण एवं परिचर्चा समारोह आयोजित

वाराणसी सविगत तीन दिनों से हिंदी विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में पुस्तक लोकार्पण एवं परिचर्चा का समारोह चल रहा है। इसी क्रम में दिनांक 25/09/2024 को आचार्य रामचंद्र शुक्ल सभागार, हिन्दी विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय एवं वाणी प्रकाशन समूह के संयुक्त तत्वावधान में प्रसिद्ध युवा कवि, आलोचक एवं रंगचिंतक डॉ. लहरी राम मीणा की नवीनतम आलोचना पुस्तक 'सृजन के विविध रूप और आलोचना' का लोकार्पण करते हुए इस पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के परंपरानुसार महामना मदनमोहन मालवीय जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात् अपराजिता, आस्था, सगुन और पल्लवी द्वारा कुलगीत 'मधुर मनोहर अतीव सुंदर, यह सर्वविद्या की राजधानी' का गायन किया गया। लेखक लहरी राम मीणा ने अपने लेखकीय वक्तव्य में स्पष्ट किया कि मैं यह दावा नहीं करता कि मैंने जो कुछ लिखा है वह पहले नहीं लिखा गया है। मैंने यथासंभव नए सिद्धांतों, विचारों एवं नए दृष्टिकोण के साथ इन लेखों को लिखने की कोशिश की है। भले ही साहित्यिक कृति सामाजिक दबाव में उपजती हो लेकिन उसकी सृजनात्मकता में कमी नहीं आती है। इन्होंने बताया कि 'साहित्य का गाँधी' शीर्षक लेख में साहित्य पर गाँधी के प्रभाव को रेखांकित किया गया है। अध्यक्षता कर रहें हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. वशिष्ठ अनूप ने इस पुस्तक में संजोए गए लेखों के मर्म को स्पष्ट करते हुए कहा कि जब कोई सत्य कहता है तब वह आंखों में आँखें डालकर बात करता है और जब झूठ बोलता है तब उसकी आँखें भी उसका साथ नहीं देती हैं;भाषा हकलाने लगती है। "गलतियाँ जब की तो कुछ का कुछ बताकर बच गया,

जब अकेले में मिला खुद्द से तो शरमाना पड़ा।" लेखक ने 'साहित्य का मर्म' निबंध में साहित्य के शाश्वत तत्वों की चर्चा की है। इन्होंने इस निबंध को आचार्य मम्मट से जोड़कर भी देखा। 'शिवेतर क्षतये' अर्थात् साहित्य अमंगल का नाश करता है। प्रेमचंद साहित्य के विशेषज्ञ प्रो. विनय कुमार सिंह कहते हैं कि साहित्य को प्रत्येक व्यक्ति व्यक्ति को इसलिए भी पढ़ना चाहिए, आत्मसात करना चाहिए क्योंकि वह जीवन को बेहतर बनाता है। एक गिलास ठंडे पानी का महत्व रेगिस्तान में तपता प्यासा व्यक्ति ही बता सकता है। साहित्य और राष्ट्रबोध आज की तारीखद का सबसे ज्वलंत मुद्दा है। लेखक ने लिखा है कि भारतीयों को एक राष्ट्रबोध में बांधने के लिए एक ही विकल्प थाय भाषा। असली साहित्य वही है जो जीवन से निकलें और जीवन के लिए निकले। लोक साहित्य, लोक संस्कृति प्रेम का संदेश देती हैं। तमाम कठिनाइयों के पश्चात् भी हमारी संस्कृति रह गई क्योंकि इसके मूल में प्रेम और विश्वास है, भारतीय आत्मा है। शासन का सोर (जड़) किस तरह से उपारना है यह लोक की ताकत बताती है। लेखक पाश्चात्य के अंधानुकरण पर खेद जताते हुए बताता है कि भारत की कहीं बची संस्कृति बची हुई है तो वह गाँवों में और आदिवासियों के यहां बची हुई है। इन्होंने यह भी बताया कि दिखने की भाषा जिस तरह की होती है वही लिखने की भाषा भी होनी चाहिए। हरिवंशराय बच्चन ने 'खादी का फूल' में कहा थाय 'बापू की छाती की हर साँस तपस्या थी।' आलोचक, रामधारी सिंह दिनकर साहित्य के विशेषज्ञ प्रो. सत्यपाल शर्मा ने कहा कि आलोचना में नई बात कहने का आग्रह कभी–कभी दुराग्रह का परिचय बन जाता है, इसके माध्यम से हम गलत निष्कर्षों तक पहुंच जाते हैं। इस पुस्तक का आलोचक इस तरह के दुराग्रह से बचा है। लहरी राम एक संवदेनशील,ईमानदार और संवेदनशील आलोचक हैं। यह मानवकेन्द्रित आलोचना पुस्तक है। इन्होंने जीवनानुभव पर जोर दिया है। जीवनानुभव से ऊपजा सत्य ही सबसे बड़ा सत्य होता है। 'साहित्य का गांधी' नामक लेख एक ऐसा लेख है जो भविष्य के शोधार्थियों के लिए नवीन शोध विषय का मार्ग प्रशस्त करेगा। इनकी पुस्तक पढ़ते हुए दो मनीषी याद आए, अभिनव गुप्त और टी. एस. इलियट। साधारणीकरण में अभिनवगुप्त ने बाधाओं की चर्चा की है। 'पात्र आदि की वास्तविकता का बोध।' यदि रचनाकार आपका करीबी हो तब उसका व्यक्तित्व रचना को समझने में बाधा उत्पन्न करता है लेकिन लहरी जी की आलोचकीय ईमानदार व्यक्तित्व के कारण ऐसी बाधा उत्पन्न नहीं हुई। टी. एस. इलियट ने कहा था कि किसी भी रचनाकार की रचनाधर्मिता को उसकी समकालीनता के साथ उसके इतिहास एवं परंपरा से भी जोड़कर देखा जाना चाहिए। इस समग्रता बोध को हम 'सृजन के विविध रूप और आलोचना पुस्तक में देख सकते हैं। हिंदी विभाग की सहायक आचार्या डॉ. मानसी रस्तोगी कहती हैं, "इसमें संकलित लेख एवं निबंध शोधपरक हैं।" लेखक ने 'साहित्य का आत्मतत्व' शीर्षक निबंध में आलोचक ने बताया है कि अच्छा साहित्य वही होता है जो मानव हित के साथ–साथ समाज हित एवं राष्ट्रहित की बात करे।इस पुस्तक में एक आलोचक की ईमानदारी झलकती है। परिचर्चा का संचालन कर रहे सहायक आचार्य डॉ. सत्यप्रकाश सिंह ने बताया कि यह पुस्तक किसी एक समय एवं एक मनःस्थिति में नहीं लिखी गई है बल्कि अलग–अलग वातावरण एवं परिस्थितियों में लिखे गए लेखों एवं निबंधों का संकलन है। यह लेख अलग–अलग समय एवं संदर्भों में लिखा गया है। 'साहित्य और राष्ट्रबोध ' नामक लेख में पश्चिम की राष्ट्रीयता के बरक्स भारतीय राष्ट्र बोध को उजागर करने का प्रयत्न लेखक ने किया है। धन्यवाद ज्ञापन स्वयं पुस्तक के लेखक डॉ. लहरी राम मीणा ने किया। इस कार्यक्रम की संपूर्ण रिपोर्ट जो आपके समक्ष प्रस्तुत है, बीएचयू, हिंदी विभाग की शोध छात्रा कु. रोशनी उर्फ धीरा ने किया है। परिचर्चा में प्रो. कृष्णमोहन सिंह, प्रो. नीरज खरे, डॉ. अशोक कुमार ज्योति, डॉ. प्रभात कुमार मिश्र, डॉ. विंध्याचल यादव, डॉ. नीलम कुमारी सहित पर्याप्त संख्या में विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों की उपस्थिति रही।

'लायंस क्लब प्रयागराज गौरव द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन'

प्रयागराज सलायंस क्लब प्रयागराज गौरव द्वारा आर. के. कॉलेज ऑफ फार्मेसी नैनी प्रयागराज में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जिसमें 11 बच्चों ने रक्तदान किया

लायंस क्लब प्रयागराज गौरव द्वारा सभी बच्चों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया । इस अवसर पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर के आयोजक लायन शीतला प्रसाद श्रीवास्तव (अध्यक्ष), लायंस डॉ. पुष्पेंद्र सिंह (सचिव), चार्टर प्रेसिडेंट लायंस डॉ.आर. के सिंह , लायन मीरा श्रीवास्तव, संस्थान के एमडी इंजीनियर आशीष त्रिपाठी (अध्यक्ष), डॉ. आशुतोष त्रिपाठी (डायरेक्टर), सी0 एस0 सिंह आदि उपस्थित रहे। वरिष्ठ पत्रकार अरविंद मालवीय ने बच्चों और संस्था को आशीर्वाद प्रदान किया। प्रख्यात कवि –कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने इस सच्ची समाज व देश सेवा के लिए सभी को बधाई दी।

वीपी सिंह के आदेश पर उत्तर प्रदेश में खूब हुए थे डकैतों के एनकाउंटर

बेहमई नरसंहार के बाद बढ़ी थी मुठभेड़

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में पुलिस मुठभेड़ पर सियासी दलों के बीच आरोप–प्रत्यारोप का एनकाउंटर जारी है। पहले भी पुलिस मुठभेड़ पर प्रदेश में खूब राजनीति हुई है।1980 में विश्वनाथ प्रताप सिंह यूपी के मुख्यमंत्री थे। उनके दो साल 39 दिन के कार्यकाल में एक हजार से ज्यादा एनकाउंटर हुए थे। इस पर तब लोकदल के नेता रहे मुलायम सिंह यादव और मोहन सिंह ने सरकार पर फर्जी मुठभेड़ कराने का आरोप लगाया था।1975 से लेकर 1985 के बीच प्रदेश के कई जिलों में डाकुओं का आतंक था। विश्वनाथ प्रताप सिंह ने 9 जून 1980 को सीएम पद की शपथ ली। उन्होंने डकैतों के खिलाफ अभियान शुरू करा दिया। हर दूसरे दिन पुलिस मुठभेड़ की खबरें सुर्खियों बनने लगीं। वीपी सिंह को सीएम बने एक साल नहीं बीता था कि कानपुर के बेहमई में डकैत फूलन देवी ने 14 फरवरी 1981 को 20 ठाकुरों की हत्या कर दी। नरसंहार में फूलनदेवी के साथ मुस्तकीम, राम प्रकाश और लल्लूसमेत 25 डकैत शामिल थे। वीपी सिंह ने डकैतों को खत्म करने का आदेश दे दिया। यूपी में मुठभेड़ की संख्या अचानक बढ़ गई वीपी सिंह ने कहा था कि सरकार डाकुओं का आत्मसमर्पण कराने का प्रयास नहीं करेगी। उनके खिलाफ अभियान जारी रहेगा। फूलन ने मध्य प्रदेश में सरेंडर किया था।

आरेडिका में राजभाषा पखवाड़ा के तहत कार्यशाला एवं साहित्यिक व्याख्यान

रायबरेली स आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली में दिनांक 14.09.2024 से 27.09.2024 तक राजभाषा पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है जिसके अंतर्गत रेलवे कर्मचारियों को अधिकाधिक हिंदी में काम करने को प्रेरित करने के उद्देश्य से मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री रूपेश श्रीवास्तव के नेतृत्व में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें कर्मचारी एवं अधिकारी ने विभिन्न कार्यक्रमों जैसे– हिंदी कार्यशाला, निबंध लेखन, राजभाषा शब्दावली अनुवाद, वाक् प्रतियोगिता, प्रारूप एवं टिप्पणी लेखन आदि के माध्यम से हिंदी में अपनी रुचि का परिचय दिया। महाप्रबंधक महोदय, श्री प्रशान्त कुमार मिश्रा ने बताया कि, आरेडिका "क" क्षेत्र के अधीन आता है एवं हमारे आस–पास के रेलवे जोनों में हिंदी का अच्छा उपयोग होता है। हम भी राजभाषा की प्रगति के लिए कुछ ऐसा करे कि लोगों के लिए प्रेरणा का कार्य करे। "हम यह दृढ़ संकल्प लें कि हम सभी अपना अधिकाधिक कार्य पूरे उत्साह, लगन और गर्व के साथ राजभाषा हिंदी में करेंगें"। उप मुख्य राजभाषा अधिकारी डा0 सत्यव्रत ने बताया कि आज दिनांक–25.09.2024 को इलाहाबाद विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डा0 चित्तरंजन कुमार ने उपन्यास सम्राट प्रेम चन्द पर साहित्यिक व्याख्यान दिया तथा 24.09.2024 को फिरोज गाँधी डिग्री कॉलेज रायबरेली के असिस्टेंट प्रोफेसर डा0 अजेन्द्र प्रताप सिंह ने कार्यालय में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग क्यूँ व कैसे करें विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया। जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लेकर अपने राजभाषा हिंदी के ज्ञान को परिष्कृत एवं उन्नत किया।

आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना में स्वच्छ एवं स्वस्थ पाक कला पर प्रतियोगिता का आयोजन

रायबरेली सआधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली चिकित्सालय में ष्स्वच्छता ही सेवा 2024ष कार्यक्रम के अंतर्गत, 26 सितंबर 2024 को स्वच्छ एवं स्वस्थ पाक कला ("Clean And Nutritious Recipe") पर एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना और पाक कला में स्वच्छता के महत्व को समझाना था । प्रतियोगिता का उद्घाटन महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती भारती मिश्रा द्वारा किया गया। समारोह में महिला कल्याण संगठन की सभी सदस्य के साथ श्रीमती आभा जैन, प्रधान मुख्य चिकित्सा अधिकारी भी उपस्थित रहीं ।

डॉ. भूमिका सिंह, आहार विशेषज्ञ, ने स्वस्थ जीवन के लिए आवश्यक संतुलित आहार पर एक विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया। आजकल, अस्वस्थ आहार और स्वच्छता की कमी के कारण कई स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं । इस संदर्भ में, प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को स्वच्छ, स्वस्थ और संतुलित आहार के लिए पोषण रेसिपी में मोटे अनाज (डपससमजे) को मुख्य सामग्री के रूप में शामिल करना अनिवार्य किया गया था।

प्रतियोगिता में कुल 10 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिन्होंने अपने उत्कृष्ट पकवान प्रस्तुत किए। प्रथम स्थान श्रीमती अनामिका करण, द्वितीय स्थान श्रीमती गरिमा श्रीवास्तव, और तृतीय स्थान श्रीमती सोनी कुमारी को प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी अन्य प्रतिभागियों को उपहार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

आरेडिका चिकित्सालय ने चिकित्सालय आने वाले सभी मरीजों को सुरक्षित भोजन के पाँच मुख्य बिंदुओं पर एक पैम्फलेट वितरित किया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपार उत्साह के साथ भाग लिया और इसे आयोजित करने में आरेडिका चिकित्सालय में कार्यरत समस्त कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा ।

संक्षिप्त

पर्यटन मंत्री आज से झांसी, मैनपुरी, फिरोजाबाद, इटावा दौरे पर

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह 27 से 29 सितम्बर तक झांसी, फिरोजाबाद, मैनपुरी तथा इटावा के भ्रमण पर रहेंगे। पर्यटन मंत्री कल 11:30 बजे विश्व पर्यटन दिवस पर बुंदेलखण्ड में पर्यटन को विकसित किये जाने हेतु आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। इसके उपरान्त फिरोजाबाद लौट आयेंगे।28 सितम्बर को पूर्वाहन 09 बजे से अपराह्न 01 बजे तक ट्रांजिट हास्टल पीडब्लूडी पुलिस लाइन के सामने मैनपुरी में जनसमस्याओं की सुनवाई करेंगे। अपराह्न 02 बजे आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय ऑडीटोरियम हाल सैफई में डिजी तकनीकी योजना के अंतर्गत टेबलेट का वितरण करेंगे। शाम को 05:30 बजे मैनपुरी में रामलीला कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। 29 सितम्बर को कैम्प कार्यालय सिरसागंज फिरोजाबाद में जनसमस्याओं की सुनवाई करेंगे। अपराह्न 02 बजे अतिशयकारी श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, राजा का ताल फिरोजाबाद में क्षमावाणी पर्व कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। अगले दिन 30 सितम्बर को अपराह्न तक लखनऊ वापस आयेंगे।

जवाब दे आज की भ्रष्ट भाजपा सरकार, पैरासिटामोल समेत 50 दवाइयों के गुणवत्ता परीक्षण में फेल होने पर अखिलेश ने कसा तंज

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने देश की शीर्ष औषधि विनियामक संस्था द्वारा गुणवत्ता जांच में पैरासिटामोल समेत 50 दवाओं के नमूने नाकाम होने को लेकर बृहस्पतिवार को केन्द्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर तंज करते हुए पूछा कि इस जांच रिपोर्ट पर सरकार आखिर क्या कार्रवाई करेगी। अखिलेश यादव ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर कहा, जवाब दे आज की

भ्रष्ट भाजपा सरकार, ऐसी दवा खाकर होगा इलाज या बीमार। जब तक भाजपा कंपनियों से बटोरती रहेगी चंदा, तब तक जारी रहेगा कम गुणवत्तावाली दवाइयों का धंधा। उन्होंने नहीं,चाहिए,भाजपा हैशटैग से किए गए इस पोस्ट में आगे कहा, इस रिपोर्ट के बाद भी कोई कार्रवाई होगी या चंदे का रेट बढ़ा कर मामला रफा–दफा कर दिया जाएगा? जनता की जान से खिलवाड़ करने का ये भाजपाई खेल अच्छा नहीं। निंदनीय! भारत की एक शीर्ष औषधि विनियामक संस्था ने पैरासिटामोल समेत करीब 50 दवाओं के नमूनों को मानक गुणवत्ता के अनुकूल नहीं पाया है। इन दवाओं में व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली पैरासिटामोल, पैंटोप्राजोल और जीवाणु संक्रमण के इलाज के लिए कुछ एंटीबायोटिक्स शामिल हैं।

लाटूश रोड पर एक व्यावसायिक इमारत में लगी आग, कोई हताहत नहीं

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ के व्यस्त कैसरबाग इलाके में लाटूश रोड पर स्थित एक व्यावसायिक इमारत में बृहस्पतिवार को सुबह अज्ञात कारणों से आग लग गई। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। लखनऊ के मुख्य अग्निशमन अधिकारी मंगेश कुमार ने न्यूज एजेंसी को बताया, आग पूर्वाह्न लगभग 10 बजे एक व्यावसायिक इमारत में लगी। इसमें बड़ी संख्या में दुकानें और गोदाम हैं। गनीमत है कि सुबह का समय होने के कारण कोई भी व्यक्ति आग में नहीं फंसा। उन्होंने यह भी बताया कि अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंच चुकी है और आग बुझाने का काम जारी है।

त्योहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये त्योहार विशेष रेलगाड़ियों के संचालन किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी संख्या 04062/04061 आनन्द विहार (ट.)-बरौनी आरक्षित त्योहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 04062 आनन्द विहार (ट.)-बरौनी			गाड़ी संख्या - 04061 बरौनी-आनन्द विहार (ट.)	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	09:00	आनन्द विहार (ट.) ▲	10:10	----
10:46	10:48	अलीगढ़	06:58	07:00
12:13	12:15	टूण्डला	05:20	05:22
13:20	13:22	इटावा	04:13	04:15
15:20	15:25	कानपुर सेंट्रल	02:30	02:35
06:30	----	▼ बरौनी	----	08:00

गाड़ी संरचना - वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 16

आनन्द विहार (ट.) से : गाड़ी संख्या 04062, प्रत्येक रविवार, दिनांक 06, 13, 20, 27 अक्टूबर 2024 एवं 03, 10, 17 नवम्बर 2024

बरौनी से : गाड़ी संख्या 04061, प्रत्येक सोमवार, दिनांक 07, 14, 21, 28 अक्टूबर 2024 एवं 04, 11, 18 नवम्बर 2024

गाड़ी संख्या 02246/02245 हज़रत निज़ामुद्दीन-पटना आरक्षित त्योहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 02246 हज़रत निज़ामुद्दीन-पटना			गाड़ी संख्या - 02245 पटना-हज़रत निज़ामुद्दीन	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	23:55	हज़रत निज़ामुद्दीन जं. ▲	10:50	----
07:15	07:25	गोविन्दपुरी	03:20	03:25
10:05	10:10	प्रयागराज जं.	00:20	00:25
16:40	----	▼ पटना जं.	----	18:05

गाड़ी संरचना - वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 11, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 05 एवं वातानुकूलित प्रथम श्रेणी- 01

हज़रत निज़ामुद्दीन से : गाड़ी संख्या 02246, प्रत्येक सोमवार एवं बुधवार, दिनांक 07, 09, 14, 16, 21, 23, 28, 30 अक्टूबर 2024 एवं 04, 06, 11, 13, 18, 20, 25, 27 नवम्बर 2024

पटना से : गाड़ी संख्या 02245, प्रत्येक मंगलवार एवं गुरूवार, दिनांक 08, 10, 15, 17, 22, 24, 29, 31 अक्टूबर 2024 एवं 05, 07, 12, 14, 19, 21, 26, 28 नवम्बर 2024

नोटः- ट्रैनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1706/24(A)

नाबालिग बेटी से दुराचार कर रहा था पिता, मां ने दर्ज कराई एफआईआर, गिरफ्तार

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ के चिनहट इलाके में 14 साल की बेटी से उसका पिता दुष्कर्म करता रहा। वह बेटी को मुंह न खोलने की धमकी भी दे रहा था। डरी सहमी किशोरी पिता की गलत हरकतों को सहती रही। 15 सितंबर को किशोरी ने मां व रिश्तेदारों को आपबीती बताई तो मां ने मंगलवार को चिनहट थाने में केस दर्ज कराया। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया।पीड़ित किशोरी चिनहट इलाके में परिवार के साथ रहती है। 15 सितंबर को उसका जन्मदिन था। परिवार व रिश्तेदार जन्मदिन मनाने के लिए जमा थे। इस बीच पिता ने रात 10 बजे गुस्से में आकर बेटी को मारने के लिए दौड़ा लिया। किशोरी जान बचाकर भागी। मां व अन्य रिश्तेदारों ने उसे बचाया। वह डर के चलते दूसरी बिल्डिंग की छत पर जाकर गुमसुम बैठ गई।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं0: 9620242025 दिनांकः 24.09.2024

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/प्रयागराज निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (ई-टेण्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं.: 1	निविदा नं.: 9620242025-213	अनुमानित लागत (रु. में): ₹ 6,46,87,539.2
कार्य का नाम: प्रयागराज - ट्रैफिक कॉलोनी में परित्यक्त 22-यूनिट टाइप-II एवं 04-यूनिट टाइप-III के स्थान पर 22-यूनिट टाइप-III एवं 04-यूनिट टाइप-IV क्वार्टर का निर्माण।		
अमानत राशि (रु में): ₹ 4,73,400.00	निविदा बंद होने की तिथिः 18.10.2024 को 15.00 बजे	
कार्य समापन की अवधि : 12 माह	कार्य की प्रकृति : बहुमंजिला भवन का निर्माण।	
क्र.सं.: 2	निविदा नं.: 9620242025-214	अनुमानित लागत (रु. में): ₹ 50,24,900.67
कार्य का नाम: DDU-GZB-PRYJ डिवीजन पर आरपीएफ बैरक/थाना का निर्माण/सुधार।		
अमानत राशि (रु में): ₹ 1,00,500.00	निविदा बंद होने की तिथिः 18.10.2024 को 15.00 बजे	
कार्य समापन की अवधि : 06 माह	कार्य की प्रकृति : कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य।	

नोटः- (1) पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेलवे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। 1698/24(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

यूएन को आईना

ऐसे वक्त में जब प्रधानमंत्री की रूस व यूक्रेन यात्रा के बाद पश्चिमी जगत की प्रतिक्रिया को लेकर तरह–तरह के विमर्श पेश किए जा रहे थे, उस लिहाज से उनकी अमेरिका यात्रा के हासिल समझना कठिन नहीं है। अब चाहे क्वाड में भारत की सार्थक उपस्थिति हो या अपने कार्यकाल के अंतिम चरण में पहुंचे राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ मोदी की केमिस्ट्री हो, उसकी देश–विदेश के मीडिया में चर्चा हुई। उन्हें सुनने उमड़ा विशाल भारतवंशी समुदाय उनकी लोकप्रियता के ग्राफ को दर्शाता है। अब भले ही मोदी की अमेरिका यात्रा को लेकर राजग व भाजपा के नेता कसीदे पढ़ रहे हों, लेकिन संयुक्त राष्ट्र संघ में प्रधानमंत्री के साढ़े चार मिनट के भाषण की चर्चा जरूर हुई है। उन्होंने प्रतीकों व प्रतिमानों के जरिये संयुक्त राष्ट्र में सुधार की जरूरत, ग्लोबल साउथ की आवाज और चीन की समुद्री क्षेत्रों में दादागीरी व पाक के आंतकवाद पोषण को बिना नाम लिये उजागर किया। एक मायने में उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को उसके मुख्यालय में आईना दिखाया कि विश्व में उभरती शक्तियों को संयुक्त राष्ट्र में न्यायोचित स्थान नहीं मिला। उन्होंने भारत की विशाल जनसंख्या, तेजी से बढ़ती आर्थिक हैसियत तथा दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की संयुक्त राष्ट्र में बड़ी भूमिका की जरूरत को बताया। संयुक्त राष्ट्र की 'समिट ऑफ द फ्यूचर' में दिया गया प्रधानमंत्री का भाषण पहली नजर में सपाट नजर आता है, लेकिन इसके जरिये दुनिया के बड़े देशों के लिये साफ संदेश निहित था। उन्होंने भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश के लिये सुरक्षा परिषद के लिये दरवाजे बंद करने पर सवाल उठाए। उन्होंने भारत द्वारा सफलता से आयोजित जी–20 सम्मेलन में अफ्रीकन यूनियन को स्थायी सदस्यता दिये जाने का जिक्र करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र को भी नये विश्व की आकांक्षाओं का सम्मान करना चाहिए। उनका आग्रह था कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की आवाज को सुना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम दुनिया की आबादी के छठवें हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं। भारत की समृद्ध लोकतांत्रिक परंपराओं का जिक्र करते हुए अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि कैसे देश ने दुनिया के सबसे बड़े चुनाव का बखूबी आयोजन किया। लेकिन दुनिया के इस सबसे बड़े लोकतंत्र की संयुक्त राष्ट्र में महत्वपूर्ण भूमिका होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे विकास का चेहरा मानवीय होना चाहिए। मानव कल्याण के लिये खाद्य, स्वास्थ्य व सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने भारत में गरीबी से निकाले गए करोड़ों लोगों का उदाहरण देते हुए कहा कि यह समावेशी विकास से ही संभव हुआ। साथ ही कहा कि हम यह अनुभव ग्लोबल साउथ के देशों के साथ साझा करने को तत्पर हैं। दरअसल, ग्लोबल साउथ के मायने हैं कि विकास की दौड़ में पीछे रह गए वे अफ्रीका व लैटिन अमेरिकी देश, जिन्हें आर्थिक संबल की जरूरत है। जिनके लिये वर्ष 2023 में भारत 'वॉयस ऑफ द ग्लोबल साउथ समिट' का आयोजन कर चुका है। भारत ने अपने अनुभवों का लाभ इन देशों के साथ बांटने में उत्सकुता दिखायी। प्रधानमंत्री ने फिर दोहराया कि विश्व शांति व विकास के लिये जरूरी है कि वैश्विक संस्थाओं के स्वरूप में सुधार किया जाए। दूसरी शब्दों में कहें कि तो प्रधानमंत्री ने दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल भारत को सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता दिए जाने की वकालत की है। वहीं दूसरी ओर उन्होंने पाकिस्तान व चीन का नाम लिए बगैर साफ किया कि दुनिया की शांति व सुरक्षा के लिये आतंकवाद बड़ा खतरा है। उन्होंने वैश्विक स्तर पर इसके खिलाफ कार्रवाई की वकालत की।

खुद को कठपुतली साबित करने पर आमादा हैं आतिशी

डॉ. दीपक पाचपोर

आप को सबसे ज्यादा पढ़े–लिखे लोगों की पार्टी कहा जाता है और आतिशी की तो उच्च शिक्षा ऐसे देश में भी हुई, जो अपनी लोकतांत्रिक परिपक्वता के लिये जाना जाता है। उनके माता–पिता मार्क्स और लेनिन से इतने प्रभावित थे कि उन्होंने अपनी बेटी का नाम इन दोनों नामों के थोड़े–थोड़े अक्षरों से मिलाकर रखा था।

सदियों के राजतंत्र, लम्बी सामंतशाही व्यवस्था तथा 200 वर्षों की औपनिवेशिक दासता से लम्बा संघर्ष कर मुक्त होने वाले भारत के नवसामंतों को राजशाही का चस्का है। जब लोकतांत्रिक तरीके से चुने हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी धार्मिक विधि–विधानों के साथ और पौराणिक काल के डिजाइनर परिधानों में लिपटकर लोकतंत्र की सर्वोच्च आसंदी के बगल में मध्यकालीन सैंगोल का इवेंट रच सकते हैं, तो उनके नक्शे–कदम पर चलने वाली आम आदमी पार्टी की दिल्ली की नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना सिंह अपनी कुर्सी की बगल में भला क्यों नहीं एक कुर्सी खाली छोड़ सकतीं, जो एक तरह से खड़ाऊ राज का प्रतीक है। आप को सबसे ज्यादा पढ़े–लिखे लोगों की पार्टी कहा जाता है और आतिशी की तो उच्च शिक्षा ऐसे देश में भी हुई, जो अपनी लोकतांत्रिक परिपक्वता के लिये जाना जाता है। उनके माता–पिता मार्क्स और लेनिन से इतने प्रभावित थे कि उन्होंने अपनी बेटी का नाम इन दोनों नामों के थोड़े–थोड़े अक्षरों से मिलाकर रखा था। हालांकि यह आश्चर्य की बात है कि वामपंथ से प्रभावित उनके अभिभावकों ने आतिशी को पढ़ने रूस या किसी साम्यवादी देश में न भेजकर एक पूंजीवादी देश ग्रेट ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में भेजा था। यहां थ्री इडियट्स के रैंचो को उद्धृत किया जा सकता है, जो कहता है कि श्ज्ञान जहां से मिले बटोर लेना चाहिये। (चाहे मास्को विवि हो या हार्वर्ड अथवा गलगोटिया विवि।)... तो अपनी ऊंची तालीम, दिल्ली सरकार में बतौर शिक्षा मंत्री के रूप में किया गया उनका चमकदार प्रदर्शन, शिक्षितों के संगठन आप की नेता होने की सारी उपलब्धियों को खाक में मिलाते हुए इन काबिल मोहतरमा ने अपनी बगल में यह कहकर एक कुर्सी खाली छोड़ दी, कि वह उनके गुरू व नेता अरविंद केजरीवाल की है। संदर्भः भरत का अजुध्या में चलाया गया खड़ाऊ राज। यानी वे नाममात्र के राजा थे। 14 वर्षों का स्टॉपगैप अरेंजमेंट– अस्थायी व्यवस्था। जब राजा राम वनवास से लौटे तो भरत ने गद्दी सौंप दी। कुछ इसी तज पर आतिशी ने संदेश दिया है कि इस कुर्सी पर असली हक तो केजरीवाल का है। वे तो परिस्थितियों के कारण यह काम सम्हाल रही हैं– भरत की तरह अनिच्छा से। जैसे भरत 14 वर्षों से इस अपराध भाव से राज करते रहे कि वे किसी और का हक मार रहे हैं। एक शासक जो खुद को ही प्रॉक्सी मान रहा हो, क्या उससे प्रशासकीय कुशलता तथा न्याय की उम्मीद की जा सकती है? भरत ने राजा के रूप में जब काम किया होगा तो यह भाव तो उनमें भी आया ही होगा। बहरहाल, रामकथा को एक ओर रख दिया जाये। कहते हैं कि महान मराठा शासक शिवाजी ने भी अपना राज–काज अपने गुरू रामदास समर्थ के नाम से ही चलाया था। एक ओर आध्यात्मिक पुंज की प्रेरणा तो दूसरी ओर उनकी माता जीजा के मार्गदर्शन में उन्होंने जैसा भी राज किया वह राजशाही के अंतर्गत की गयी व्यवस्था ही थी।आतिशी तो लोकतांत्रिक पार्टी की नेता हैं। केजरीवाल द्वारा पद छोड़े जाने के बाद उन्हें विधायक दल का नेता एक निर्धारित प्रक्रिया के अंतर्गत चुना गया है। बगल में एक और कुर्सी लगाकर आतिशी ने उस संविधान सम्मत प्रक्रिया पर ही पानी फेर दिया है। वैसे तो उनके पास एक नायाब मौका है कि वे अपनी कार्य कुशलता और योग्यता का परिचय दें। उनकी पार्टी कठिन दौर से गुजर रही है। एक ओर उनके असली सीएम के हाथ–पांव बांध दिये गये हैं, तो वहीं दूसरी तरफ दिल्ली के लेफ्टी. गवर्नर भारतीय जनता पार्टी के इशारे पर पूरी पार्टी को ही नेस्तनाबूद करने पर तुले हैं। वैसे में आतिशी के पास खुद को साबित करने का मौका है। उन्हें बचे समय में दिल्ली के बहुत से काम करने हैं और उनके पास यह भी अवसर चलकर आया है कि दिल्ली विधानसभा का अगला चुनाव उन्हीं के नेतृत्व में लड़ा जायेगा– सीएम होने के नाते। तो उन्होंने इस मौके पर अलग कुर्सी लगाकर बाकायदे ऐलान कर दिया कि आखिरकार वे हैं तो किसी के हाथों की कठपुतली ही। लड़ाई तो एलजी के हाथों की कठपुतली बनने से इंकार करने की लड़ी जा रही थी। आप एक के हाथ की कठपुतली बनने से तभी इंकार कर सकते हैं जब आप किसी की भी कठपुतली न बनें। देश में ऐसे कई उदाहरण हैं कि किसी को किसी की कृपा से कोई पद तो मिलता है, लेकिन उसे अपनी स्वतंत्र सत्ता साबित करनी होती है। आज भाजपा की इसीलिये तो आलोचना होती है कि उसने सभी को मोदी और उनके खासमखास अमित शाह के हाथों की कठपुतली बना दिया है। वे तो मजबूरी में बने हैं– आतिशी मैडम तो स्वघोषित कठपुतली बन बैठी हैं। ऐसे में उनका इकबाल कैसे कायम होगा? हो सकता है कि आतिशी ने स्वयं को निष्ठावान साबित करने के लिये ऐसा किया हो, पर यह है तो लज्जाजनक ही। पता नहीं यह आइडिया उनका खुद का था या उन्हें पार्टी नेतृत्व ने ऐसा करने के लिये निर्देशित किया था। यदि किसी ने कहा भी हो तो उन्हें मना कर देना था और ऐसे पद को स्वीकार ही नहीं करना था। सम्भवतरू हाल ही में झारखंड में जो हुआ वह भी शायद आप के नेताओं को आशंकित कर गया हो। याद हो कि जेल जाने के पहले वहां के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेता चम्पई सोरेन को सीएम बना दिया था। उस वक्त तो उन्होंने कहा था कि वे हेमंत की जगह पर काम कर रहे हैं और असली सीएम हेमंत ही हैं। जेल से छूटने के बाद जब हेमंत वापस अपनी कुर्सी पर विराजमान हुए तो चम्पई ने अपने अपमान के कई किस्से सुनाते हुए दल का त्याग कर दिया और भाजपा में समा गये। आतिशी शायद आप नेताओं को आश्वस्त करना चाहती होंगी कि वे हर घड़ी हर पल इस बात को याद रखेंगी कि वे केजरीवाल की दी गयी कुर्सी पर बैठी हैं। हालांकि वे ऐसा नहीं भी करतीं तो भी यह जगजाहिर सी बात थी। सवाल तो यह है कि इस महत्वपूर्ण पद पर बैठी सीएम से बाहर के लोग, खासकर विदेश से जो आएंगे, तो उन्हें भारतीय लोकतंत्र के इस रिक्त स्थान को देखकर आश्चर्य होगा। देश को लेकर बनने वाली उनकी धारणा किस तरह की हो सकती है– इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। यह कुछ वैसा ही है जैसे वाराणसी के एक थाने में भैरव बाबा की कुर्सी खाली रहती है। माना जाता है कि वे ही शहर के कोतवाल हैं। उसका निरीक्षण कोई अधिकारी कभी नहीं करता। उसे देखने तक लोग थाने में जाते हैं। शिकायत करने वालों को पुलिस रोक सकती है, परन्तु दर्शन करने वालों को नहीं। आतिशी कुछ कर सकें या नहीं, लोगों को उस खाली कुर्सी के दर्शन करने से रोक नहीं सकेंगी। यह एक तरह से खुद पर उन्होंने पहरेदारी बिठा ली है। वैसे मोतीलाल वोरा को जब मध्यप्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया था तब उनका मजाक उड़ाते हुए तत्कालीन एक बड़े पत्रकार ने लिखा था कि वोरा जी बड़ी सी कुर्सी होने के बावजूद उसके बिलकुल आगे के हिस्से में बैठते थे, ताकि जब भी उन्हें पद छोड़ने को कहा जाये तो उन्हें उठने में आसानी होगी। आतिशी चाहती हैं कि उनका मजाक न उड़ाया जाये तो वे केजरीवाल की कुर्सी को तुरन्त हटवाएं। बाकी उनकी मजी!

विदेश नीति और कूटनीति में असफलता के नुकसान

32,87,263 वर्ग कि. मी क्षेत्रफल के साथ भारत दुनिया का भौगोलिक तौर पर सातवां बड़ा देश है और करीब 144 करोड़ की आबादी के साथ दुनिया में सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है। लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने क्वाड (क्वाड्रिलेटरल सिक्योरिटी डायलॉग) बैठक में हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का परिचय कराते हुए भारत के बारे में कहा कि यह एक छोटा देश है, जिसकी आबादी बहुत कम है। दुनिया की एकमात्र महाशक्ति होने का दावा करने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति का सामान्य ज्ञान शायद इतना कम नहीं होगा, और हो सकता है यह बात उन्होंने मजाक में कही हो। क्योंकि अपने इस निकृष्ट स्तर के मजाक के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को अपना मित्र भी बताया। मोदी–बाइडेन के बीच अनुमानित मजाक के इन क्षणों का वीडियो सोशल मीडिया पर उपलब्ध है, जिसे पाठक देख कर समझ सकते हैं कि अमेरिका और भारत दोनों किस तरह कूटनीतिक तकाजों में चूकते जा रहे हैं। क्वाड का मंच अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और सहयोग के लिए बना है, इस तरह के ओछे मजाक के लिए नहीं। अगर जो बाइडेन और नरेन्द्र मोदी में गहरी दोस्ती है, तब भी इसमें कूटनीतिक शिष्टाचार को परे नहीं किया जाना चाहिए। नरेन्द्र मोदी इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को केवल बराक कहकर या डोनाल्ड ट्रंप के लिए अबकी बार ट्रंप सरकार कहकर भारत की शर्मिंदगी का सबब बन चुके हैं, इस बार जो बाइडेन ने नरेन्द्र मोदी को टक्कर दे दी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत के बारे में यह अभद्र टिप्पणी करने से पहले एक और गलती की थी, जब क्वाड देशों के राष्ट्राध्यक्षों का परिचय कराने के सिलसिले में वे प्रधानमंत्री मोदी का नाम ही भूल गए थे। अमेरिका, जापान, आस्ट्रेलिया और भारत, इन चार देशों ने ही क्वाड का गठन किया है और इसमें जो बाइडेन को अपने अलावा तीन और लोगों का परिचय कराना था, जिसमें वे नरेन्द्र मोदी का नाम ही ऐन वक्त पर भूल गए और फिर उनके स्टाफ ने उनकी मदद की। इस भूल को छिपाने की कोशिश में ही शायद जो बाइडेन ने भारत के आकार और आबादी को लेकर टिप्पणी की। कारण जो भी हो, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति का यह व्यवहार किसी भी नजरिए से अंतरराष्ट्रीय मर्यादा के अनुकूल नहीं था। नरेन्द्र मोदी ने भी बाइडेन की इस टिप्पणी के बाद हंसते हुए केवल थैंक यू कह दिया, जबकि कायदे से उन्हें उसी वक्त पूरी शिष्टता और सौम्यता के साथ बता देना चाहिए था कि दुनिया में भारत का स्थान क्या है। अगर नरेन्द्र मोदी ऐसा करते तो इससे भारत की मजबूत छवि दुनिया के सामने बनती। अफसोस कि श्री मोदी ने इस मौके को गंवा दिया। अगर श्री मोदी की जगह राहुल गांधी होते और वे इसी तरह थैंक यू बोलते तो भाजपा के नेता इस पर राष्ट्रव्यापी हंगामा खड़ा कर चुके होते कि राहुल गांधी ने देश का अपमान होने पर शुक्रिया कहा। अब देखना होगा कि नरेन्द्र मोदी के थैंक यू को भाजपा नेता किन दलीलों के साथ सही ठहराते हैं। वैसे बात केवल भारत के प्रधानमंत्री को सही या गलत साबित करने की नहीं है, यह मसला पूरे देश की साख के साथ जुड़ा है। अभी हाल ही में जिस तरह राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने रूस के राष्ट्रपति के सामने बैठकर श्री मोदी की यूक्रेन यात्रा का ब्यौरा प्रस्तुत किया था, वह भी एक तरह से भारत का अपमान ही था। हमारी संप्रभुता को चुनौती थी। यह और अजीब बात है कि अभी अपने अमेरिका दौरे में फिर से श्री मोदी ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदीमीर जेलेंस्की से भेंट की। क्या अब फिर से किसी को दूत बनाकर व्लादीमीर पुतिन के सामने बैठाया जाएगा या खुद नरेन्द्र मोदी इस बार अपनी सफाई पेश करेंगे, यह देखना होगा। अमेरिका या दुनिया के किसी भी देश में जाकर मोदी–मोदी के नारे लगवाना और प्रवासी भारतीयों के मुंह से मोदी की तारीफ और भारत के अमृतकाल की तारीफ करवाना भाजपा की रणनीति का हिस्सा हो सकता है, लेकिन इस रणनीति में भारत की विदेश नीति को ठेस न पहुंचे, यह जिम्मेदारी भी सत्तारुढ़ दल होने के नाते भाजपा की है। लेकिन भाजपा और नरेन्द्र मोदी दोनों इसमें चूक रहे हैं। अभी अमित शाह के बांग्लादेशी घुसपैठियों के बयान पर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने जो आपत्ति दर्ज कराई है, वह भी विदेश नीति में की जा रही भूल का नतीजा है। पाठकों को याद होगा कि 2014 में जब नरेन्द्र मोदी ने पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी, तो सार्क देशों के राष्ट्राध्यक्षों को विशेष तौर पर आमंत्रित किया था, ताकि आपसी संबंधों में प्रगाढ़ता आए। किंतु बीते 10–11 बरसों में श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान सभी के साथ कई ऐसे प्रसंग हो चुके हैं, जिनसे परस्पर संदेह का माहौल बना है। इसमें दोष केंद्र सरकार का ही है, लेकिन अब भी भाजपा नेता इस मामले में समझदारी का परिचय नहीं दे रहे हैं। झारखंड चुनावों में भाजपा ने घुसपैठियों के मुद्दे को अहम बनाया हुआ है, इसी के तहत पिछले दिनों भारत के गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों को चुन–चुनकर झारखंड के बाहर भेजने का काम भारतीय जनता पार्टी करेगी। ये हमारी सभ्यता को नष्ट कर रहे हैं। हमारी संपत्ति को हड़प रहे हैं। श्री शाह ने यह भी कहा था कि अगर झारखंड में भाजपा सत्ता में आई तो हर बांग्लादेशी घुसपैठिए को सबक सिखाने के लिए उल्टा लटका देगी। इस बयान पर आपत्ति और दुख जताते हुए बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने कहा, जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों की ओर से पड़ोसी देशों के नागरिकों पर की गई ऐसी टिप्पणियों से आपसी सम्मान और समझ की भावना कमजोर पड़ती है। बांग्लादेश की इस आपत्ति को वृहत्तर परिप्रेक्ष्य में विश्लेषित करने की जरूरत है। हम अपने पड़ोसियों को बदल नहीं सकते हैं और न ही उन्हें नाराज करके अपनी शांति और सुरक्षा की आश्वस्ति कर सकते हैं। चीन जैसे ताकतवर और महत्वाकांक्षी पड़ोसी देश के रहते भारत को अन्य पड़ोसी देशों के साथ अतिरिक्त सावधानी के साथ कदम उठाने चाहिए, लेकिन मोदी सरकार के लिए शायद विदेश नीति जैसा गंभीर मसला भी चुनाव जीतने का एक टूल ही है।

एक राष्ट, एक चुनाव प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के मार्ग में प्रधानमंत्री की बड़ी चुनौतियां

कल्याणी शंकर

एक राष्ट्र, एक चुनाव का विचार संसद और सार्वजनिक बहस की ओर बढ़ रहा है। नरेंद्र मोदी सरकार ने पिछले सप्ताह इस मुद्दे को आगे बढ़ाने का फैसला किया। केन्द्रीय कैबिनेट ने आगामी सत्र में संसद में एक विधेयक लाने का फैसला किया। इस अवधारणा पर पहले भी कई बार बहस हो चुकी है, लेकिन अब तक कोई राजनीतिक आम सहमति नहीं बन पायी है। सत्तारूढ़ भाजपा लंबे समय से भारत के चुनाव प्रणाली को बदलने के लिए दबाव बना रही है। इस सम्बंध में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और बाद में भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी ने केन्द्र में सत्तारूढ़ कांग्रेस से संपर्क किया था जिसे कांग्रेस ने खारिज कर दिया था। इस कदम का समय महत्वपूर्ण था, क्योंकि यह पिछले सप्ताह मोदी द्वारा अपने तीसरे कार्यकाल में 100 दिन पूरे करने का दिन था। यह उन महत्वपूर्ण चुनावी सुधारों में से एक है जिसे भाजपा ने लगभग दो दशकों से अपने घोषणापत्रों में शामिल किया है। अनेकों को यह विचार प्रथम दृष्टया उचित और व्यवहार्य लगता है, परन्तु इस पर कई सवाल उठे हैं। क्या भारत इस तरह के सुधार के लिए तैयार है? क्या प्रधानमंत्री मोदी के पास संसद में संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए आवश्यक दो–तिहाई बहुमत है? क्या कोई राजनीतिक सहमति है? ये कुछ ऐसे सवाल हैं जिनके जवाब की जरूरत है। सबसे महत्वपूर्ण और प्राथमिक बात यह है कि विधेयक को लोकसभा में दो–तिहाई बहुमत जुटाकर ही पारित किया जा सकता है। हाल ही में हुए 2024 के चुनावों में भाजपा सदन में बहुमत से भी 40 सीटें कम रह गयी थी और वह जद (यू) और तेलुगू देशम की मदद से ही सरकार बना सकी। भाजपा को सहयोगियों और अन्य दलों के समर्थन की भी जरूरत है। भाजपा इस सुधार के पक्ष में है क्योंकि इससे चुनाव चक्र में बार–बार होने वाले बदलावों के कारण होने वाली रुकावटें खत्म होंगी। इससे चुनाव संबंधी खर्चों में भी कमी आयेगी। अधिकांश विपक्षी दल एक साथ चुनाव कराने के विचार को खारिज करते हैं। इनमें कांग्रेस, वामपंथी दल, तृणमूल कांग्रेस, क्षेत्रीय और अन्य छोटी पार्टियां शामिल हैं। वे मुख्य रूप से राजनीतिक प्रतिशोध के डर और इस आशंका के कारण इसे अस्वीकार करते हैं कि इससे भाजपा को लाभ हो सकता है। इस मुद्दे पर विचार करने के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की समिति ने राजनीतिक दलों से राय लेने के बाद सर्वसम्मति से प्रस्ताव का समर्थन किया है। बत्तीस दलों ने इसका समर्थन किया, जबकि 15 ने इसे अस्वीकार कर दिया। कोविंद समिति ने यह भी संकेत दिया है कि केंद्र ने इस प्रस्ताव के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए एक पैनल बनाया है। साथ ही, सभी चुनावों के लिए एक संयुक्त मतदाता सूची होनी चाहिए ताकि मतदाता राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय चुनावों के लिए एक ही सूची का उपयोग करें। इससे मतदाता पंजीकरण में त्रुटियां कम होंगी। पैनल सभी हितधारकों से बात करने की योजना बना रहा है। वे वोटों को दो भागों में रखने का भी सुझाव देते हैं। पहला लोकसभा और विधानसभा के लिए होगा, और दूसरा स्थानीय समूहों के लिए होगा। ऐतिहासिक रूप से 1952 से, जो पहला चुनाव हुआ था, 1967 तक, यह एक समन्वित चुनाव था। लेकिन इंदिरा गांधी के सत्ता में आने के बाद यह बदल गया। उन्होंने विपक्ष द्वारा शासित सरकारों को बर्खास्त करने के लिए अनुच्छेद 356 का इस्तेमाल करना शुरू किया और इस तरह अलग–अलग राज्य विधानसभा चुनाव शुरू हुए। यह आज तक जारी है। इस विधेयक को संवैधानिक, कानूनी और राजनीतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। पैनल ने देश में एक साथ चुनाव कराने के लिए संविधान के पांच अनुच्छेदों में संशोधन करने की सिफारिश की है जिनमें अनुच्छेद 83 और 172 में संशोधन भी शामिल हैं। भाजपा के पास बहुमत नहीं है, जबकि संवैधानिक संशोधन के लिए दो–तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है। साथ ही, संविधान इस बात पर चुप है कि चुनाव एक साथ होने चाहिए या नहीं। अंतिम परीक्षा यह है कि मोदी संसद में पर्याप्त संख्या में सांसदों को कैसे जुटायेंगे। दूसरा, राजनीतिक सहमति अभी बननी बाकी है। भाजपा ने विपक्षी दलों से निपटने या उन्हें सहमत करने की कोशिश नहीं की है। विपक्ष आक्रामक मूड में है और अभी तक सहमत नहीं हुआ है क्योंकि उनका मानना है कि एक साथ चुनाव कराने से भाजपा को फायदा होगा। कांग्रेस जैसी बड़ी पार्टियां इसका विरोध कर रही हैं। वामपंथी दल, तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुलमुस्लिमीन ने इस विचार को खारिज कर दिया है। 15 विपक्षी दलों के पास 205 सांसद हैं, जबकि मोदी को 362 वोट चाहिए। एक साथ चुनाव के लिए आवश्यक बदलावों को पूरा करने के लिए एक कानूनी ढांचे की भी जरूरत है। यह राज्य सरकारों के कार्यकाल के बीच में ही गिर जाने और केंद्र द्वारा खेले जाने वाले खेल को खत्म करने जैसी समस्याओं का समाधान कर सकता है।चूंकि यह विचार अच्छा है और यह धन की बर्बादी और नीतिगत पक्षाघात के साथ–साथ हर दो साल में चुनाव होने की घटना को भी रोकता है, इसलिए विपक्ष को इस विचार को खारिज करने से पहले दो बार सोचना चाहिए। अगर उनके पास कोई वैकल्पिक योजना है तो उन्हें इसे सार्वजनिक बहस के लिए लाना चाहिए। कुल मिलाकर, मोदी इस कानून को एक गेम प्लान के साथ संसद में ला रहे हैं। हारें या जीतें, मोदी को इसका फायदा मिलेगा। अगर वे जीतते हैं, तो यह चुनावी वायदे की पूर्ति है। वे हमेशा दावा कर सकते हैं कि उन्होंने अच्छे इरादों के साथ सुधार लाया है, अगर बिल गिर जाता है, तो वे दावा कर सकते हैं कि विपक्ष ने इसे तोड़फोड़ दिया। संसद में विधेयक लाने में देरी हो सकती है, फिर भी इस पर बहस करने और अंततः ऐसा करने के तरीके खोजने लायक है। आखिरकार,चुनावी व्यय भी करदाताओं का पैसा है।

परिणीति चोपड़ा, राघव चड्ढा ने मालदीव में मनाई शादी की पहली सालगिरह

> परिणीति ने इंस्टाग्राम पर मालदीव में राघव के साथ अपनी शादी की पहली सालगिरह के जश्न की दिल को छू लेने वाली कई तस्वीरें शेयर की। जोड़े को समुद्र के किनारे कुर्सियों पर आराम करते हुए और सनसेट निहारते हुए देखा जा सकता है, जिसमें सफेद रेत पर हैप्पी एनिवर्सरी लिखा हुआ है। एक और तस्वीर में परिणीति एक स्टाइलिश नीली शर्ट और मैचिंग शॉर्ट्स में दिखाई दे रही हैं।

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा और उनके पति व आम आदमी पार्टी (आप) के नेता राघव चड्ढा ने अपनी शादी की पहली सालगिरह मालदीव में मनाई। कपल ने मालदीव से कुछ खूबसूरत पल अपने फैंस के लिए सोशल मीडिया पर शेयर किए। तस्वीरों में परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा एक–दूसरे पर प्यार लुटाते नजर आ रहे हैं। उनके खूबसूरत रिश्ते के सार को कैमरे में कैद तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है। परिणीति ने इंस्टाग्राम पर मालदीव में राघव के साथ अपनी शादी की पहली सालगिरह के जश्न की दिल को छू लेने वाली कई तस्वीरें शेयर की। जोड़े को समुद्र के किनारे कुर्सियों पर आराम करते हुए और सनसेट निहारते हुए देखा जा सकता है, जिसमें सफेद रेत पर हैप्पी एनिवर्सरी लिखा हुआ है। एक और तस्वीर में परिणीति एक स्टाइलिश नीली शर्ट और मैचिंग शॉर्ट्स में दिखाई दे रही हैं। वहीं इसमें राघव को शॉर्ट्स और शर्ट में देखा जा सकता है। दोनों कैमरे के लिए शानदार पोज देते हुए नजर आ रहे है। आकर्षण को और बढ़ाते हुए एक वीडियो में जोड़े को समुद्र तट पर हाथ में हाथ डाले चलते हुए बातचीत करते हुए देख सकते हैं। वहीं राघव ने भी इस ट्रिप की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की है। पोस्ट के कैप्शन में परिणीति ने लिखा, कल हमारा दिन शांत रहा, सिर्फ हम दोनों ही थे..लेकिन हमने आप सभी की हर शुभकामना और संदेश को पढ़ा और हम इससे ज्यादा आभारी नहीं हो सकते। राघव मुझे नहीं पता कि मैंने अपने पिछले जन्म और इस जन्म में ऐसा क्या किया कि मैं आपको पाने लायक बन गई। मैंने एक आदर्श सज्जन, अपने नासमझ दोस्त, संवेदनशील साथी, एक ईमानदार इंसान से शादी की है। हमारे देश के प्रति आपका समर्पण और प्रतिबद्धता मुझे बहुत प्रेरित करती है। मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं। हम पहले क्यों नहीं मिले? सालगिरह मुबारक राघव, हम दोनों एक हैं। राघव ने भी सालगिरह की बधाई देते हुए एक प्यारी सी पोस्ट भी लिखी, जिसमें उन्होंने लिखा, एक साल हो गया? ऐसा लगता है जैसे कल ही हमने एक–दूसरे से शादी की हो। काश हम पहले मिल पाते। तुमने हर दिन को इतना खास बना दिया है, चाहे घर पर बिताए शांत पल हों या दुनिया भर की बड़ी–बड़ी रोमांचक यात्राएं, तुम हमेशा मेरी सबसे अच्छी दोस्त रही हो। इस साल को इतना यादगार बनाने के लिए तुम्हारा शुक्रिया। मैं यह देखने के लिए बेताब हूं कि भविष्य में हमारे लिए क्या होगा, हैप्पी एनिवर्सरी माय लव। बता दें कि परिणीति और राघव ने 24 सितंबर, 2023 को उदयपुर के एक निजी आलीशान होटल में शादी की थी। परिणीति ने पिछली बार बायोग्राफिकल म्यूजिकल ड्रामा अमर सिंह चमकीला में अमरजोत कौर के रूप में काम किया था। इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ मुख्य भूमिका में हैं।

तृप्ति डिमरी के डांस नंबर मेरे महबूब की हो रही चर्चा, एक्ट्रेस ने बताया प्रेरणा कौन?

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी, जो अपनी आगामी फिल्म विकी विद्या का वो वाला वीडियोश में नजर आने वाली हैं, उन्होंने हाल ही में एक दिलचस्प खुलासा किया है। तृप्ति डिमरी ने बताया कि उन्होंने अपने डांस नंबर मेरे महबूब के लिए रवीना टंडन और कैटरीना कैफ के लोकप्रिय गाने शटिप टिप बरसा पानीश के संस्करणों से प्रेरणा ली है। गाने में देखा जा सकता है कि तृप्ति नीले रंग की इंडो–वेस्टर्न पोशाक पहनकर बेहद खूबसूरती के साथ नृत्य कर रही हैं। गाने में एक बारिश सीन है, जहां वह राजकुमार राव के साथ झूमती दिख रही हैं। गाने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, ष्यह गाना मेरे लिए वाकई खास हैय यह मेरा डांसिंग नंबर है। जब आपका पहला गाना सचिन–जिगर द्वारा संगीतबद्ध किया गया हो, शिल्पा राव और सचेत टंडन द्वारा गाया गया हो, और गणेश आचार्य द्वारा कोरियोग्राफ किया गया हो, तो आपको और क्या चाहिए? मैं बहुत आभारी, खुश और उत्साहित हूं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने रवीना टंडन और कैटरीना कैफ के लोकप्रिय ट्रैक टिप टिप बरसा पानी जैसे 90 के दशक के प्रतिष्ठित बॉलीवुड गानों से प्रेरणा ली है, तो उन्होंने कहा, ष्हां, मैंने इसके बारे में सोचा था और रिहर्सल के दौरान उन्हें देखा था। उनसे मैं तुलना नहीं कर सकती। वो बहुत अच्छे हैं, इस गाने को शूट करना बहुत मजेदार था क्योंकि यह मेरा पहला डांस नंबर था, लेकिन गणेश सर ने इसे मेरे लिए बहुत आसान बना दिया। उन्होंने कहा अब जब तुमने इसे सीख लिया है, तो बस मजा करो। विक्की विद्या का वो वाला वीडियो 1990 के दशक पर आधारित है, और तृप्ति ने विद्या नाम की एक छोटे शहर की लड़की का किरदार निभाया है। अभिनेत्री ने यह भी खुलासा किया कि बड़ी होने पर उनकी नृत्य आदर्श महान अभिनेत्री माधुरी दीक्षित थीं। मैं उनका बहुत बड़ा प्रशंसक हूं और मैं उनके सभी गानों पर नाचता था। वह हमेशा मेरी पसंदीदा रही है। विक्की विद्या का वो वाला वीडियो 11 अक्टूबर को रिलीज होगी।

नवरात्रि नजदीक आते ही रश्मि देसाई ने दिखाया अपना 'देसी' लुक

तीन अक्टूबर से शुरू हो रही नवरात्रि से पहले अभिनेत्री रश्मि देसाई ने फैंस के साथ अपना देसी गर्ल लुक शेयर किया। रश्मि ने इंस्टाग्राम पर अपनी तीन तस्वीरें शेयर कीं। इसमें वह गोल्डन पीले रंग के शरारा सूट में नजर आ रही हैं। इसके साथ अभिनेत्री ने गोल्डन दुपट्टा लिया हुआ है। उन्होंने अपने इस लुक को चोकर, बालों में फूल और हल्के मेकअप के साथ पूरा किया। उन्होंने कैमरे के सामने कई शानदार पोज दिए। असम की रहने वाली रश्मि मूल रूप से गुजराती हैं और उन्होंने 2002 में असमिया भाषा की फिल्म कन्यादान से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। 38 वर्षीय अभिनेत्री ने 2004 में शाहरुख खान और रवीना टंडन के साथ रोमांटिक मिस्ट्री ये लम्हे जुदाई के से बॉलीवुड में कदम रखा। अभिनेत्री ने कब होई गवना हमार, सोहागन बाना दा सजना हमार, नदिया के तीर, गजब भईल रामा और कंगना खनके पिया के अंगना जैसी कई अन्य भोजपुरी फिल्मों में भी काम किया है। उन्होंने 2006 में पौराणिक शो रावण से टेलीविजन पर शुरुआत की। इसमें उन्होंने रानी मंदोदरी की भूमिका निभाई। उन्हें टीवी में पहला ब्रेक 2008 में मिला, जब उन्होंने परी हूं मैं में दोहरी भूमिका निभाई। रश्मि रियलिटी शो जरा नचके दिखा 2 की विजेता थीं और बाद में उन्होंने झलक दिखला जा 5, कॉमेडी का महा मुकाबला, फियर फैक्टररू खतरों के खिलाड़ी 6, नच बलिए 7, बिग बॉस 13 और शबिग बॉस 15श में हिस्सा लिया। अभिनेत्री ने शो उतरन में तपस्या की भूमिका निभाकर प्रसिद्धि पाई। उन्होंने फरवरी 2011 में शो के अपने सह–कलाकार नंदीश संधू से शादी की। मगर दोनों की शादी चल नहीं पाई। उन्होंने 2014 में अलग होने का फैसला किया। 2015 में, दोनों ने शादी के लगभग चार साल बाद तलाक के लिए अर्जी दी और 2016 में इसे अंतिम रूप दिया गया। 2018 में अभिनेत्री की मुलाकात अरहान खान से हुई, जो 2019 में सलमान खान द्वारा होस्ट किए गए बिग बॉस के 13वें संस्करण में अभिनेत्री के साथ देखे गए थे। उन्होंने रश्मि को प्रपोज किया और राष्ट्रीय टीवी पर स्वीकार कर लिया। बाद में सलमान ने खुलासा किया कि अरहान पहले से शादीशुदा थे और उनका एक बच्चा भी है, जिसे उन्होंने देसाई से छुपाया था। शो से बाहर आने के बाद रश्मि और अरहान अलग हो गए।

तलाक की खबरों के बीच उर्मिला के पति मोहसिन मीर का क्रिप्टक पोस्ट, लिखा–कमबख्त उसूलों पर चला..

हिंदी सिनेमा की जानी मानी एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। खबरें हैं कि उर्मिला और उनके पति मोहसिन अख्तर का रिश्ता टूटने की कगार पर है। कहा जा रहा है कि शादी के 8 साल बाद उनका तलाक होने जा रहा है। रिपोर्ट की मानें तो उर्मिला मातोंडकर और मोहसिन पिछले कुछ वक्त से अलग रह रहे हैं। हालांकि अभी तक दोनों की तरफ से कोई भी बयान जारी नहीं किया गया है, लेकिन इसी इसी बीच उर्मिला के पति मोहसिन ने एक क्रिप्टिक पोस्ट किया है। जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। तलाक की खबरों के बीच उर्मिला के पति मोहसिन अख्तर मीर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर गुलजार की लिखी कुछ पंक्तियां शेयर की हैं। इस पोस्ट में लिखा है– बहुत छाले हैं उनके पैरों में, कमबख्त उसूलों पर चला होगा। बता दें कि मोहसिन के इस क्रिप्टक पोस्ट को उर्मिला और उनके टूटते रिश्ते से जोड़कर देखा जा रहा है और यह पोस्ट इंटरनेट पर सनसनी मचा रहा है। बता दें, उर्मिला मातोंडकर के पति मोहसिन अख्तर मीर कश्मीर के रहने वाले हैं। वह एक बिजनेसमैन होने के साथ ही एक मॉडल भी हैं। दोनों की मुलाकात मनीष मल्होत्रा के जरिए हुई थी। धीरे–धीरे दोनों एक दूसरे को पसंद करने लगे और साल 2016 में दोनों ने शादी कर ली। हालांकि, अब शादी के 8 साल बाद ही दोनों के तलाक की खबरें सामने आ रही हैं। मालूम हो, मोहसिन एक्ट्रेस उर्मिला से उम्र में 10 साल छोटे हैं।

जन्मदिन के 9 दिन पहले ही जश्न में डूबी हिना खान

स्तन कैंसर से लड़ रहीं अभिनेत्री हिना खान की इन दिनों कीमोथेरेपी चल रही है। 2 अक्टूबर को वो सैंतीस साल की हो जाएंगी, लेकिन अभिनेत्री ने अपने जन्मदिन से 9 दिन पहले ही इस जश्ध्न में डूबने का फैसला कर लिया है। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर हिना ने अपने 20.3 मिलियन फॉलोअर्स के साथ एक दिल छू लेने वाला पल शेयर किया, जिसमें उन्होंने गुलाब की नाजुक पंखुड़ियों से सजे एक शानदार केक का स्नैपशॉट पोस्ट किया और उसके ऊपर एक सुनहरी मोमबत्ती रखी। केक की खूबसूरती उनके कैप्शन से मेल खाती है, जिसमें लिखा है, जश्न शुरू हो गया है, फर्स्ध्ट केक। यह सरल लेकिन सुंदर इशारा उनके जन्मदिन के जश्न की शुरुआत को दर्शाता है, जो इस चुनौतीपूर्ण समय के दौरान जीवन के खास पलों को गले लगाते हुए आशा और खुशी बिखेरता है। हिना ने 11 सितंबर को अपनी हेल्थ के बारे में अपडेट शेयर किया था। उन्होंने कहा कि उनका म्यूकोसाइटिस पहले से काफी बेहतर है। इसके साथ ही उन्होंने अपने फैंस को ढेर सारा प्यार भेजने के लिए धन्यवाद दिया। अभिनेत्री ने लिखा, मैं आपको कुछ अपडेट देना चाहती हूं। मेरा म्यूकोसाइटिस पहले से बहुत बेहतर है। मैंने आपके सभी कमेंट और सुझावों को पढ़ा है। आप सभी ने मेरी बहुत मदद की है, आप सभी को ढेर सारा प्यार भेज रही हूं। हाल ही में, पारंपरिक कश्मीरी पोशाक पहन उन्होंने अपनी तस्वीरें भी शेयर कीं। ये रिश्ता क्या कहलाता है में अक्षरा के किरदार के लिए मशहूर हिना ने फियर फैक्टर रू खतरों के खिलाड़ी 8, बिग बॉस 11 और बिग बॉस 14 में हिस्सा लिया है। वह हैक्ड, विशलिस्ट और एक लघु फिल्म स्मार्टफोन का भी हिस्सा रही हैं। हिना ने भसूड़ी, रांझणा, हमको तुम मिल गए, पत्थर वारगी, बारिश बन जाना, मैं भी बर्बाद, मोहब्बत है, बरसात आ गई जैसे म्यूजिक वीडियो और असीस कौर एवं साज भट्ट के हालिया ट्रैक हल्की हल्की सी में अभिनय किया है।

डैंड्रफ से छुटकारा पाने के लिए घर पर बनाएं नारियल शैम्पू, बाल होंगे सश्वफ्ट और शाइनी

बदलते मौसम में अक्सर बालों का झड़ना लगा रहता है। वहीं, स्कैल्प भी ड्राई होने लगता है। अगर आप भी इस समस्या से परेशान है तो नारियल के शैंपू का इस्तेमाल कर सकते हैं। आज हम आपको नारियल शैम्पू घर में कैसे बना सकते हैं, जानिए इसकी विधि।

आमतौर पर केमिकल युक्त शैम्पू के प्रयोग से बालों का झड़ना, स्कैल्प ड्राई होना और हेयर्स बेजान नजर आने लगते हैं। अगर आप इन समस्याओं से परेशान हैं तो आप घर में नेचुरल रुप से शैम्पू बना सकते हैं। नारियल के शैम्पू में कई सारे पोषण तत्व पाए जाते हैं, जो आपके हेयर्स को काफी हेल्दी रखता है। आइए जानते हैं नारियल का शैम्प घर पर कैसे बनाएं। यह वीनर्स नकली दांतों से 300 गुना बेहतर है! और कीमत बहुत सस्ती हैऔर जानें

पोषक तत्वों से भरपूर है नारियल

वैसे तो नारियल में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसमें विटामिन–सी, विटामिन ई और विटामिन–बी जैसे पोषक तत्व अच्छी मात्रा में मौजूद होते हैं। नारियल के शैम्पू से आपके बाल डैमेज नहीं होते हैं।

घर पर कैसे बनाएं नारियल शैम्पू

बदलते मौसम में बालों के झड़ने से हम सभी परेशान हो जाते हैं। ऊपर से स्कैल्प ड्राई होना भी जरुरी है। इस शैम्पू बनाने के लिए आपको बड़े बाउल में कोकोनट मिल्क, विटामिन–ई ऑयल और एसेंशियल ऑयल को मिलाना है। इन सभी चीजों को मिलाने के बाद एक बोतल में भरके रख दीजिए। आइए इससे होने वाले फायदो के बारे में आपको बताते हैं।

लंबे और घने बाल होंगे

नारियल शैम्पू में विटामिन–बी1, बी6 और बी5 जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। इससे बालों को लंबा और घना बनाया जा सकता है। आपको बता दें कि इस शैम्पू से स्कैल्प को पोषण मिलता है और बालों में मजबूती आती है।

डैंड्रफ से मिलेगा छुटकारा

बदलते मौसम में डैंड्रफ बढ़ने लगता है। अगर आप भी डैंड्रफ की समस्या का सामना कर रहे हैं, तो नारियल का शैम्पू काफी फायदेमंद होता है। इसमें लॉरिक एसिड, एंटी–बैक्टीरियल और एंटी–माइक्रोबियल प्रॉपर्टीज होती है। डैंड्रफ की समस्या से बचने के लिए यह विकल्प सबसे बेहतर है।

ड्राईनेस दूर होती है

नारियल शैंपू में पाए जाने वाले पोषक तत्व प्रदूषण, धूल–मिट्टी और केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स की वजह से होने वाली ड्राइनेस को खत्म करती है। ध्यान रखें कि नारियल शैम्पू को बालों में सीधा नहीं लगाएं। इससे पहले पैच टेस्ट जरुर करें।

संभालो खुद को दिल की धड़कनों का बार-बार तेज होना नहीं है नार्मल

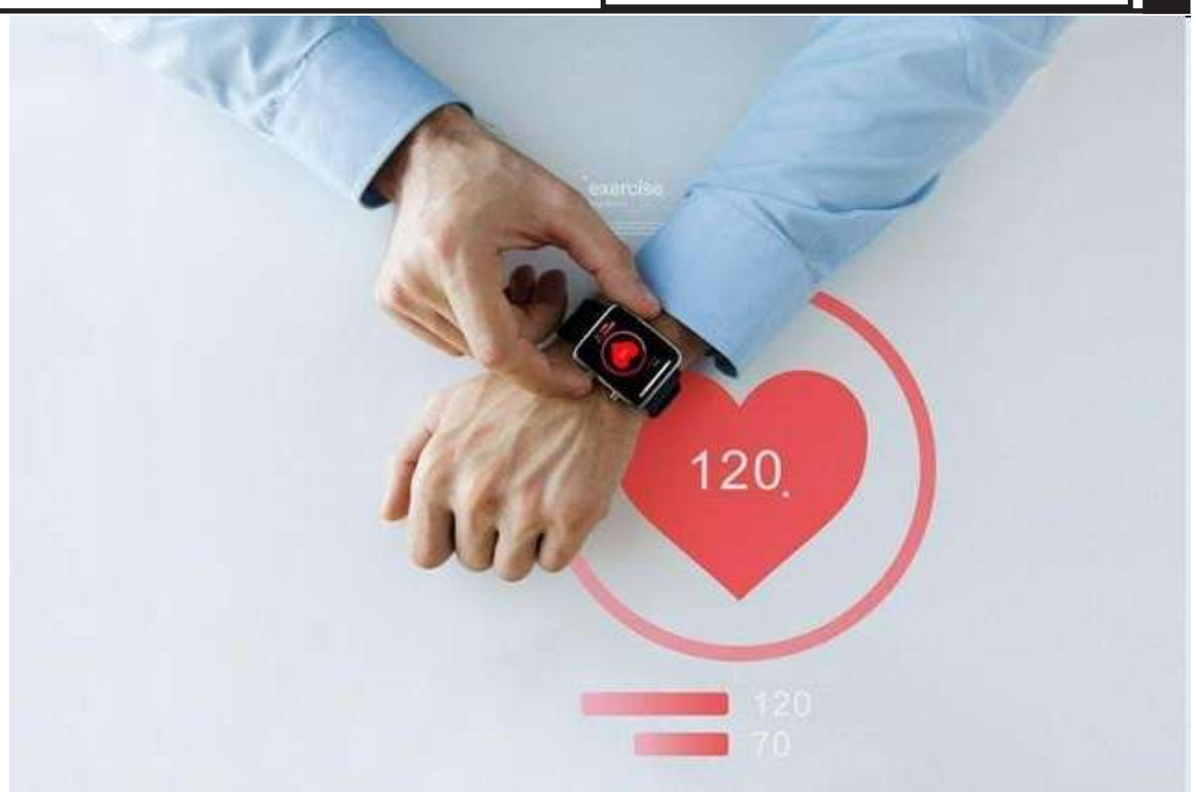

जोर–जोर से दिल धड़कना कई बार सामान्य हो सकता है, लेकिन यह कुछ शारीरिक या मानसिक स्थितियों का संकेत भी हो सकता है। यह समस्या तब महसूस होती है जब दिल सामान्य गति से तेज या अनियमित रूप से ध ड़कता है। इसके साथ अन्य लक्षण भी हैं, तो इसे नजरअंदाज न करें और डॉक्टर से सलाह लें।

आइए जानते हैं इसके संभावित कारण और बचाव के तरीके।

दिल की धड़कन तेज होने के संभावित कारण

तनाव और चिंताः अत्यधिक तनाव या चिंता का सामना करने पर शरीर में एड्रेनालिन हार्मोन बढ़ जाता है, जिससे दिल की धड़कन तेज हो सकती है।

कैफीन या शराब का अधिक सेवनः अधिक मात्रा में कैफीन (चाय, कॉफी) या शराब पीने से दिल की धड़कन तेज हो सकती है।

थकावट या नींद की कमीः अत्यधिक थकान और पर्याप्त नींद न लेने से शरीर पर तनाव बढ़ता है, जो दिल की ध ड़कन पर असर डाल सकता है।

गर्भावस्थाः गर्भावस्था के दौरान शरीर में हार्मोनल परिवर्तन होते हैं, जिससे दिल की धड़कन तेज हो सकती है।

अधिक व्यायामः बहुत ज्यादा शारीरिक व्यायाम करने से दिल पर दबाव बढ़ सकता है, जिससे धड़कन तेज हो सकती है।

दवाइयों का सेवनः कुछ दवाइयों, विशेष रूप से डीकॉन्जेस्टेंट्स या अस्थमा की दवाइयों का सेवन भी ध ड़कन को प्रभावित कर सकता है।

अनियमित दिल की धड़कन कभी–कभी दिल की ध ड़कन का अनियमित होना किसी गंभीर दिल की समस्या का संकेत भी हो सकता है, जैसे एरिदमिया।

दिल की तेज धड़कन से बचाव के तरीके

गहरी सांस लें और रिलैक्स करें : अगर आपको तनाव महसूस हो रहा है, तो गहरी सांस लें। गहरी सांस लेने से शरीर का तनाव कम होता है और दिल की धड़कन सामान्य हो सकती है।

कैफीन और शराब से बचेंः अगर कैफीन या शराब का अधिक सेवन कर रहे हैं, तो उसे कम करें। यह आपकी ध ड़कन को सामान्य बनाए रखने में मदद करेगा।

हाइड्रेटेड रहेंः शरीर में पानी की कमी होने पर दिल को अधिक मेहनत करनी पड़ती है। इसलिए पर्याप्त पानी पिएं ताकि दिल की धड़कन सामान्य रहे।

नींद पूरी करेंः हर रात कम से कम 7–8 घंटे की नींद लें। अच्छी नींद से आपका दिल और शरीर दोनों स्वस्थ रहते हैं।

व्यायाम नियमित रूप से करेंः नियमित रूप से हल्का व्यायाम करें, जिससे आपका दिल मजबूत होता है और उसकी धड़कन सामान्य बनी रहती है। लेकिन अत्यधिक व्यायाम से बचें।

तनाव प्रबंधनः ध्यान, योग और गहरी सांस लेने की तकनीकें अपनाएं ताकि आप तनाव को कम कर सकें।

हृदय स्वस्थ आहार लेंः पौष्टिक और संतुलित आहार लें, जिसमें फल, सब्जियां, साबुत अनाज, और कम वसा वाले प्रोटीन हों। यह आपके दिल को स्वस्थ रखता है

धूम्रपान और नशीले पदार्थों से बचेंः धूम्रपान और नशीले पदार्थों का सेवन न करें, क्योंकि यह आपके दिल की ध ड़कन को अनियमित कर सकते हैं।

डॉक्टर से सलाह लेंः अगर दिल की धड़कन लगातार तेज रहती है या इसके साथ चक्कर आना, सीने में दर्द, या सांस लेने में तकलीफ हो रही है, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

इंटरकोर्स के बाद महिला को दर्द होने के 10 कारण

कपल के बीच प्यार के साथ आपसी संबंध, रिश्ते को और भी मजबूती देता है लेकिन आपने कई बार महिलाओं को यह कहते सुना होगा कि उन्हें इंटरकोर्स के दौरान, पहले या बाद में दर्द होता है। इसे डिस्पेर्यूनिया कहते हैं। एक अनुमान के अनुसार, 4 में से 3 महिलाएं जीवन में किसी न किसी समय दर्दनाक संभोग का सामना करती है। महिला के प्राइवेट पार्ट, गर्भाशय या निचले हिस्से के अंदर दर्द महसूस होता है। ऐसा होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। वैसे योनि व पेट में हलका दर्द, एक या दो दिन रह सकता है लेकिन अगर यह समस्या ज्यादा दिन रहे और दर्द असहनीय हो तो इसके पीछे वजह कुछ और भी हो सकती हैं चलिए आपको बताते हैं ऐसा किन कारणों के चलते हो सकता है।

वैजाइनल यीस्ट इंफेक्शन

अगर महिला को वैजाइनल यीस्ट संक्रमण और मूत्र मार्ग में संक्रमण (यूटीआई) है तो इससे योनि में सूजन पैदा हो सकती है, जिसे वैजिनाइटिस भी कहा जाता है। जब योनि में सूजन होती है तो इंटरकोर्स के दौरान घर्षण से अतिरिक्त दर्द या जलन हो सकती है। यीस्ट संक्रमण के कारण कैंडिडा यीस्ट से खुजली, गाढ़ा सफेद डिस्चार्ज और यूरिन पास करते समय दर्द हो सकता है।

योनि का सूखापन

योनि में सूखापन रहना भी संबंधों को दर्द भरा बना सकता है। सूखापन हार्मोनल चेंजेस की वजह से हो सकता है। जिस महिला ने हाल ही में बच्चे को जन्म दिया है या स्तनपान करा रही हैं, तो हार्मोनल परिवर्तन, महिला के शरीर में एस्ट्रोजन की मात्रा को कम कर सकते हैं और योनि में सूखापन पैदा कर सकते हैं, जिससे संभोग दर्दनाक हो सकता है।

एलर्जी के चलते दर्द

अनचाही प्रेग्नेसी रोकने के लिए अपनाए जाने वाले प्रिकॉशन के चलते भी एलर्जी हो सकती है जिससे खुजली, जलन और दर्द की समस्या हो सकती है। लेटेक्स एलर्जी से होने वाले दर्द से बचने के लिए, आप पॉलीयूरेथेन कं–डोम या प्राकृतिक प्रिकॉशन का इस्तेमाल कर सकते हैं। हालांकि, ये एस.टी.आई से सुरक्षा नहीं देते हैं। कुछ महिलाओं को वीर्य से भी एलर्जी होती है, हालांकि ऐसा होना दुर्लभ है। मानव वीर्य प्लाज्मा (HSP) अतिसंवेदनशीलता मूल रूप से वीर्य एलर्जी है जो शुक्राणु में पाए जाने वाले प्रोटीन की प्रतिक्रिया में योनि में सूजन और दर्द पैदा कर सकती है।

प्राइवेट पार्ट पर किसी तरह की चोट

जननांगों पर कोई चोट लगी है तो भी इंटरकोर्स दर्दनाक हो सकता है। प्रसव के दौरान, योनि में चीरा लगने या एपिसियोटॉमी (योनि और गुदा के बीच की जगह में चीरा लगाना) से संभोग के दौरान दर्द हो सकता है, खासकर तब जब आप अभी भी ठीक हो रहे हों। प्रसव के दौरान संबंद बनाने की जल्दबाजी तब तक ना करें जब तक आपका डॉक्टर सलाह नहीं देता।

झुका हुआ गर्भाशय

रेट्रोवर्टेड गर्भाशय, अर्थात आगे की बजाय पीछे की ओर झुका हुआ गर्भाशय, भी इंटरकोर्स को दर्द भरा बना देता है।जब गर्भाशय पीछे की ओर झुकता है, तो गर्भाशय ग्रीवा योनि नली के करीब आ जाती है, जिससे संबंध के दौरान गर्भाशय ग्रीवा को छूना आसान हो जाता है। झुके हुए गर्भाशय का मतलब यह भी नहीं है कि संभोग दर्दनाक ही होगा। पार्टनर के साथ बातचीत कर आप उन्हें बता सकते हैं कि आपको क्या अच्छा लगता है। उदाहरण के लिए, उन स्थितियों पर ध्यान केंद्रित करें जो प्रवेश की अनुमति देती हैं और गहरे प्रवेश से बचने से आपको दर्द से बचने में मदद मिल सकती है।

यौन संचारित संक्रमण (एसटीआई)

क्लैमाइडिया और गोनोरिया जैसे यौन संचारित संक्रमण (एसटीआई) योनि में सूजन पैदा करते हैं, जिससे प्रवेशात्मक इंटरकोर्स दर्दनाक या जलनपूर्ण हो सकता है। यूरिन पास करते हुए भी असामान्य स्राव या जलन हो सकती हैं। ऐसा है तो डाक्टरी सलाह पर दवाई और इलाज करवाएं।

श्रोणि सूजन बीमारी

पेल्विक इन्फ्लेमेटरी डिजीज (पीआईडी), महिला प्रजनन अंगों का एक संक्रमण है जो अक्सर अनुपचारित गोनोरिया या क्लैमाइडिया के कारण होता है।

पीआईडी के कई कारण हो सकते हैं जैसे : पैल्विक दर्द

बांझपन, फैलोपियन ट्यूब को नुकसान

बुखार–ठंड कमजोरी महसूस होना

इंटरकोर्स के दौरान या मासिक धर्म के बीच रक्तस्राव

यूरिन करते समय दर्द होना

पेट के निचले हिस्से में दर्द

आपको अगर संदेह है कि पीआईडी के शिकार है तो पीआईडी का इलाज एंटीबायोटिक दवाओं से किया जाता है इसलिए डाक्टरी जांच जरूर करवाएं।

एंडोमेट्रियोसिस

एंडोमेट्रियोसिस के कारण भी ऐसा हो सकता है। एंडोमेट्रियोसिस एक ऐसी स्थिति है जिसमें गर्भाशय की परत के समान ऊतक गर्भाशय के बाहर बढ़ता है, जो अंडाशय, गर्भाशय ग्रीवा, फैलोपियन ट्यूब और मूत्राशय पर या उसके आसपास सूजन पैदा कर सकता है। एंडोमेट्रियोसिस के अन्य लक्षणों में शामिल हैंरू पेल्विक फ्लोर डिसफंक्शन

दर्दनाक मासिक धर्म ऐंठन, अनियमित ब्लीडिंग

बांझपन व पाचन संबंधी समस्याएं

नोटः अगर ऐसा हर बार ही महसूस हो रहा है तो अपने चिकित्सक से जांच और परामर्श लेना बहुत जरूरी है ताकि समस्या की सही वजह पता चल सकें।

क्या आप भी नेचुरल रुप से लंबी पलकें चाहते हैं? तो आजमाएं ये 5 आसान उपाय

आजकल हर एक लड़की को लंबी, घनी पलकों की चाहत होती है। घनी पलकें आपकी आंखों को बड़ी और अधिक सुंदर दिखा सकती हैं। इसके लिए सौंदर्य उत्पाद उपलब्ध हैं लेकिन ये आपकी प्राकृतिक सुंदरता का विकल्प नहीं हैं। यहां तक घ्कि बेहतरीन मस्कारा भी आपकी पलकों को सपाट दिखा सकता है। दूसरी ओर, नकली पलकों को गोंद की आवश्यकता होती है जिससे बाद में आंखें ड्राई हो जाती हैं और अक्सर असहज और भारी महसूस होती हैं। लेकिन, क्या होगा अगर हम आपसे कहें कि आप घर पर आसानी से अपनी पलकें बढ़ा सकते हैं? इसके लिए सामग्री आपकी रसोई या आस–पास की दुकानों में मिल सकती है।

ग्रीन टी का यूज

ग्रीन टी बालों के ग्रोथ के लिए उपयोगी होने के साथ–साथ अपने कई स्वास्थ्य लाभों के लिए भी जाना जाता है। ग्रीन टी में ऐसे गुण होते हैं जो बालों के विकास को प्रोत्साहित करते और बालों की गुणवत्ता बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। बस एक रुई को ग्रीन टी में डुबोएं और इसे हर दिन अपनी पलकों पर लगाएं।

आईलैस पर नारियल तेल का प्रयोग करें

नारियल का प्रयोग अक्सर बालों की गुणवत्ता में सुधार के लिए किया जाता है। हालांकि, नारियल का तेल हल्का और मॉइस्चराइजिंग होता है जो आपके बालों में पाए जाने वाले महत्वपूर्ण प्रोटीन के नुकसान को रोकता है। तो नारियल तेल का उपयोग पतली और क्षतिग्रस्त पलकों को ठीक करने के लिए भी किया जा सकता है। अपनी पलकों को हल्के साबुन से धोएं और साफ कपड़े से थपथपाकर सुखा लें। इसके बाद आप नारियल के तेल में रुई डुबोकर अपनी पलकों पर लगाएं। रात भर लगा रहने दें। सुबह उठने पर इसे पानी से धो लें।

पेट्रोलियम जेली का इस्तेमाल

वैसे पेट्रोलियम जेली होठों को स्वस्थ रखने में मदद करता है, इसके अलावा आपकी पलकों को भी फायदा पहुंचा सकता है। यह आपकी पलकों को नमी देगा और मुलायम बनाएगा। एक साफ ब्रश के प्रयोग से अपनी पलकों के ऊपरी और निचली हिस्सों पर पेट्रोलियम जेली लगाएं। इतना ही नहीं, आप मेकअप लगाने से पहले ऐसा कर सकती हैं ताकि बाद में मस्कारा हटाना आसान हो जाए।

शिया बटर का उपयोग करें

शिया बटर विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। एंटीऑक्सिडेंट कोलेजन के उत्पादन को प्रोत्साहित करने में भी महत्वपूर्ण हैं, यह प्रोटीन जो बालों के ग्रोथ में मदद करता है। आप अपनी उंगलियों के बीच थोड़ी मात्रा में शिया बटर रगड़ कर अपनी पलकों पर लगा सकती हैं। इसे रात भर लगा रहने दें, फिर अगली सुबह धो लें।

पलकों को पर ब्रश करें

एक साफ मस्कारा ब्रश से अपनी पलकों को धीरे से ऊपर की ओर ब्रश करें। अपनी पलकों को ब्रश करने से बाल सुलझ जाते हैं, जिससे वे सीधे बढ़ते हैं। आप अपनी पलकों पर जमा गंदगी या धूल से छुटकारा पाने के लिए अपनी पलकों पर कंघी भी कर सकती हैं। अगर आप मेकअप लगाती हैं, तो भी बिस्तर पर जाने से पहले इसे धीरे से हटाएं।

संक्षिप्त

मीडिया फर्म ने विभिन्न विभागों में कई कर्मचारियों को निकाला

दुनिया को कई यादगार कार्टून कैरेक्टर देने वाली वॉल्ट डिज़नी अब बड़ा फैसला लेने की तैयारी में है। कंपनी इन दिनों अधिक लाभ नहीं कमा रही है, जिस कारण कंपनी ने लागत कम करने के लिए कॉर्पोरेट स्तर पर छंटनी करने का फैसला किया है। यह निर्णय चुनौतीपूर्ण बाजार परिवेश के बीच परिचालन को सुव्यवस्थित करने तथा वित्तीय प्रदर्शन में सुधार लाने के कंपनी के प्रयासों के बीच लिया गया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने बुधवार को ईमेल द्वारा जारी बयान में कहा, ष्इस चल रहे अनुकूलन कार्य के एक भाग के रूप में, हम अपने कॉर्पोरेट स्तर के कार्यों के लिए लागत संरचना की समीक्षा कर रहे हैं और यह निर्धारित किया है कि उनके लिए अधिक कुशलता से संचालन करने के तरीके हैं। डेडलाइन वेबसाइट के अनुसार, लगभग 300 कानूनी, मानव संसाधन, वित्त और संचार नौकरियां प्रभावित हुई हैं। साथ ही, मैच्छ और थीम पार्क जैसे विभाग छंटनी के इस नवीनतम दौर में शामिल नहीं थे। डिज़नी ने पिछले साल लागत में कटौती के उपाय शुरू किए, जिसके परिणामस्वरूप अंततः 8,000 पद समाप्त हो गए। अपने प्रतिद्वंद्वियों पैरामाउंट ग्लोबल और वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी इंक की तरह, कंपनी को पारंपरिक टेलीविज़न दर्शकों की संख्या में गिरावट के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ा है क्योंकि दर्शक तेजी से स्ट्रीमिंग सेवाओं की ओर रुख कर रहे हैं। इस बीच, पैरामाउंट ग्लोबल ने मंगलवार को घोषणा की कि चुनौतीपूर्ण समय के बीच मनोरंजन फर्म कई कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की योजना बना रही है। यह निर्णय इसके पोर्टफोलियो के कई डिवीजनों को प्रभावित करेगा, जिसमें सीबीएस, कॉमेडी सेंट्रल और एमटीवी जैसे प्रमुख नेटवर्क शामिल हैं। कर्मचारियों को भेजे गए ज्ञापन में पैरामाउंट के सह–सीईओ–जॉर्ज चीक्स, क्रिस मैकार्थी और ब्रायन रॉबिंस ने कहा कि कंपनी की दीर्घकालिक सफलता सुनिश्चित करने के लिए ये उपाय आवश्यक हैं। वैराइटी की रिपोर्ट के अनुसार ज्ञापन में लिखा है, ष्पैरामाउंट को निरंतर सफलता के लिए तैयार करने के लिए हम ये कदम उठा रहे हैं और आज के बाद इनमें से 90 प्रतिशत कटौती पूरी हो जाएगी। आज दुनिया भर के ज़्यादातर उद्योगों में छंटनी एक क्रूर वास्तविकता बन गई है। चाहे कोई भी क्षेत्र हो, नौकरी में कटौती कर्मचारियों को उनके भविष्य के बारे में अनिश्चित बना रही है। इनमें से ज़्यादातर नौकरी में कटौती महामारी के बाद के प्रभावों के कारण हुई है, जो व्यवसायों पर मुनाफ़े में वापस आने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

सेंसेक्स–निफ्टी खुलते ही किया कमाल, नया ऑल टाइम हाई पर पहुंचा

शेयर बाजार के दोनों सूचकांक नए उच्चतम स्तर पर बृहस्पतिवार को खुले है। एशियाई बाजार से अच्छे संकेत और आईटी शेयर में खरीददारी जारी है। बाजार ने बढ़त हासिल की है। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 202.3 अंक चढ़कर 85,372.17 अंक के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 51.85 अंक की बढ़त के साथ 26,056 अंक के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर रहा। सेंसेक्स में

सूचीबद्ध 30 कंपनियों में से मारुति, नेस्ले, टाटा मोटर्स, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, बजाज फिनसर्व, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईटीसी और भारती एयरटेल के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। पावर ग्रिड, एनटीपीसी, टाटा स्टील और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर नुकसान में रहे। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्की 225 और चीन का शंघाई कम्पोजिट फायदे में रहे। अमेरिकी बाजार बुधवार को नकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 73.52 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 973.94 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।वहीं घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) ने 1,778.99 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

कॉक्स एंड किंग्स के प्रमोटरों–निदेशकों के खिलाफ मामला दर्ज, 525 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप

नई दिल्ली। सीबीआई ने यस बैंक की शिकायत पर ट्रैवल कंपनी कॉक्स एंड किंग्स के प्रवर्तकों और निदेशकों के खिलाफ 525 करोड़ रुपये की बैंक ऋण धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। सीबीआई ने मुंबई पुलिस से जांच का जिम्मा अपने हाथ में ले लिया है। मुंबई पुलिस ट्रैवल कंपनी, उसके प्रमोटरों/निदेशकों अजय अजीत पीटर केरकर और उषा केरकर, सीएफओ अनिल खंडेलवाल और निदेशकों महालिंगा नारायणन और पेसी पटेल के खिलाफ मामले की जांच कर रही थी। केंद्रीय जांच एजेंसी ने केंद्र के माध्यम से महाराष्ट्र सरकार से निर्देश मिलने पर सभी व्यक्तियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के अलावा धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक कदाचार से संबंधित आईपीसी की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। अधिकारियों के अनुसार आरोप है कि कंपनी ने यस बैंक से ऋण सुविधा प्राप्त करने के लिए रिकॉर्ड में हेराफेरी की।

बांग्लादेश पर दबदबा कायम रखने उतरेगा भारत, कानपुर में दूसरा टेस्ट

कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली से बड़ी पारी की उम्मीद कर रहा भारत शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में बांग्लादेश पर अपना दबदबा कायम रखते हुए दो मैच की श्रृंखला में क्लीन स्वीप करने के इरादे से मैदान पर उतरेगा। भारत ने चेन्नई में खेले गए पहले टेस्ट मैच में रविचंद्रन अश्विन के ऑलराउंड खेल, शुभमन गिल के शतक, रविंद्र जडेजा की अच्छी बल्लेबाजी तथा ऋषभ पंत के वापसी पर किए गए शानदार प्रदर्शन की मदद से बड़ी जीत हासिल की थी। बांग्लादेश के तेज गेंदबाजों ने पहले दिन भारत पर दबाव बना दिया था लेकिन रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने जिस तरह से वापसी की उससे उसका विशेष कर घरेलू मैदानों पर टेस्ट क्रिकेट में दबदबे का पता चलता है। भारत की निगाह अब स्वदेश में लगातार 18वीं श्रृंखला जीतने पर टिकी हैं। पंत ने सीमित ओवरों की क्रिकेट में सफल वापसी के बाद टेस्ट क्रिकेट में भी अपना जलवा दिखाया। उन्हें खेलते हुए देखकर लगता है कि उन्होंने अपने खेल में नए आयाम जोड़े हैं क्योंकि जरुरत पड़ने पर उन्होंने अपने आक्रामक रवैए पर लगाम भी लगाई। लेकिन पहले टेस्ट मैच में रोहित और विराट का बल्ला खामोश रहा। इस मैच में बांग्लादेश के तेज गेंदबाजों हसन महमूद और तस्कीन अहमद ने अनुकूल पिच पर अच्छी गेंदबाजी की थी। भारत का टेस्ट क्रिकेट में आगे का कार्यक्रम काफी व्यस्त है और ऐसे मेंरोहित और कोहली यहां बड़ी पारी खेलने के लिए बेताब होंगे। ग्रीन पार्क के विकेट से स्पिनरों को मदद मिलती रही है। भले ही इसमें शुरू तेज गेंदबाजों को कुछ मदद मिलने की उम्मीद है लेकिन खेल आगे बढ़ाने के साथ इसकी प्रकृति में बदलाव होने की संभावना है। ऐसे में भारत तीन तेज गेंदबाजों के बजाय तीन स्पिनरों को अंतिम एकादश में शामिल कर सकता है। ऐसी स्थिति में आकाशदीप की जगह कुलदीप यादव को मिल सकती है जिनका यह घरेलू मैदान है। भारत अगर बल्लेबाजी को अधिक मजबूत करना चाहेगा तो फिर अक्षर पटेल को कुलदीप पर प्राथमिकता मिल सकती है। ग्रीन पार्क में इससे पहले 2021 में जो अंतिम टेस्ट मैच खेला गया था उसमें भारत तीन स्पिनर अश्विन, जडेजा और अक्षर के साथ उतरा था। न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला गया यह मैच ड्रॉ रहा था। जहां तक बांग्लादेश की बात है तो पहले टेस्ट मैच में उसके बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे जिसे देखते हुए वह अपनी टीम में बदलाव कर सकता है। उसके बल्लेबाज पहली पारी में भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने नहीं चल पाए थे जबकि दूसरी पारी में अश्विन की फिरकी का उनके पास कोई जवाब नहीं था। शाकिब अल हसन की उपलब्धता पर टीम प्रबंधन ने विरोधाभासी बयान दिए हैं। जहां बांग्लादेश के एक चयनकर्ता ने कहा था कि चेन्नई में बल्लेबाजी करते समय लगी उंगली की चोट के कारण उनका चयन संदिग्ध है, वहीं मुख्य कोच चंडिका हथुरुसिंघे ने कहा कि यह स्टार ऑलराउंडर खेलने के लिए उपलब्ध है। बांग्लादेश तेज गेंदबाज नाहिद राणा की जगह बाएं हाथ के स्पिनर ताईजुल इस्लाम को अंतिम एकादश में शामिल कर सकता है। उसके पास ऑफ़ स्पिनर नईम हसन के रूप में एक अन्य विकल्प है। भारतीय ऑलराउंडर जडेजा इस मैच में 300 विकेट और 3000 रन का अनोखा डबल बनाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं। उन्होंने अभी तक 73 टेस्ट मैच में 299 विकेट और 3122 रन बनाए हैं। इंग्लैंड के इयान बॉथम ने 72 टेस्ट मैच में यह उपलब्धि हासिल की थी और जडेजा के पास उनके बाद सबसे कम मैच में इस मुकाम पर पहुंचने का मौका है। यहां पिछले कुछ दिनों से काफी उमस है और खिलाड़ियों को इस चुनौती से भी पार पाना होगा। यही नहीं मैच के पहले और तीसरे दिन बारिश आने की संभावना भी है।भारत अभी तक बांग्लादेश से कोई टेस्ट मैच नहीं हारा है और मेहमान टीम को अपनी पहली जीत हासिल करने के लिए विशेष प्रयास करने होंगे।

टीम इस प्रकार हैं–

भारतः रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, आर जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह, यश दयाल।

बांग्लादेशः नजमुल हुसैन शंटो (कप्तान), महमुदुल हसन जॉय, जाकिर हसन, शादमान इस्लाम, मोमिनुल हक, मुश्फिकुर रहीम (विकेटकीपर), शाकिब अल हसन, लिटन कुमार दास, मेहदी हसन मिराज, तैजुल इस्लाम, नईम हसन, नाहिद राणा, हसन महमूद, तस्कीन अहमद, सैयद खालिद अहमद, जाकर अली अनिक।

जो रूट और विराट कोहली में से कौन है बेहतर? युवराज सिंह ने दिया ये जवाब

टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह ने भी जो रूट और विराट कोहली की तुलना पर अपनी राय रखी है। युवी ने बताया कि किस तरह से दोनों खिलाड़ियों की तुलना करना मुश्किल है। उन्होंने मौजूदा फॉर्म को देखते हुए जो रूट को भले ही बेहतर टेस्ट बल्लेबाज बताय हो, लेकिन साथ ही उन्होंने विराट कोहली की भी तारीफ की है। जो रूट और विराट कोहली के टेस्ट स्टैट्स को लेकर अक्सर तुलना होती ही रहती है। दुनिया के तमाम दिग्गज खिलाड़ी इस पर अपनी राय भी रख चुके हैं। वहीं अब टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह ने भी इस पर अपनी राय रखी है। युवी ने बताया कि किस तरह से दोनों खिलाड़ियों की तुलना करना मुश्किल है। उन्होंने मौजूदा फॉर्म को देखते हुए जो रूट को भले ही बेहतर टेस्ट बल्लेबाज बताय हो, लेकिन साथ ही उन्होंने विराट कोहली की भी तारीफ की है। दरअसल, कुछ समय पहले इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने जो रूट को विराट कोहली से बेहतर बल्लेबाज बताया था। क्लब प्रेयरी फायर पॉडकास्ट में माइकल वॉन ने ये बात कही थी। उस दौरान एडम गिलक्रिस्ट भी मौजूद थे। जब युवी से विराट कोहली और जो रूट की तुलना को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि, अगर आप इंग्लैंड में खेल रहे हैं, तो इसमें को शक नहीं कि आप जो रूट का नाम लेंगे। लेकिन अगर आपको दुनिया भर में खेलना है तो मैं विराट कोहली को चुनूंगा। क्योंकि मुझे पता है कि कुछ ऐसे विकेट हैं, जहां पर वह विरोधी टीम को काफी ज्यादा नुकसान पहुंचा सकता है। युवी ने आगे कहा कि, ये सवाल काफी बहस वाला है। अगर मौजूदा फॉर्म को देखेंगे, तो बिल्कुल जो रूट को चुनूंगा। लेकिन अगर आप सभी फॉर्मेट पर नजर डालेंगे, तो मैं बिना किसी शक के विराट का नाम लूंगा। विराट कोहली इन दिनों भारत और बांग्लादेश टेस्ट सीरीज खेल रहे हैं। हालांकि, पहले टेस्ट में वो कुछ कमाल नहीं दिखा पाए। पहले टेस्ट मैच की दोनों पारियों में विराट कोहली कुछ खास नहीं कर पाए थे।

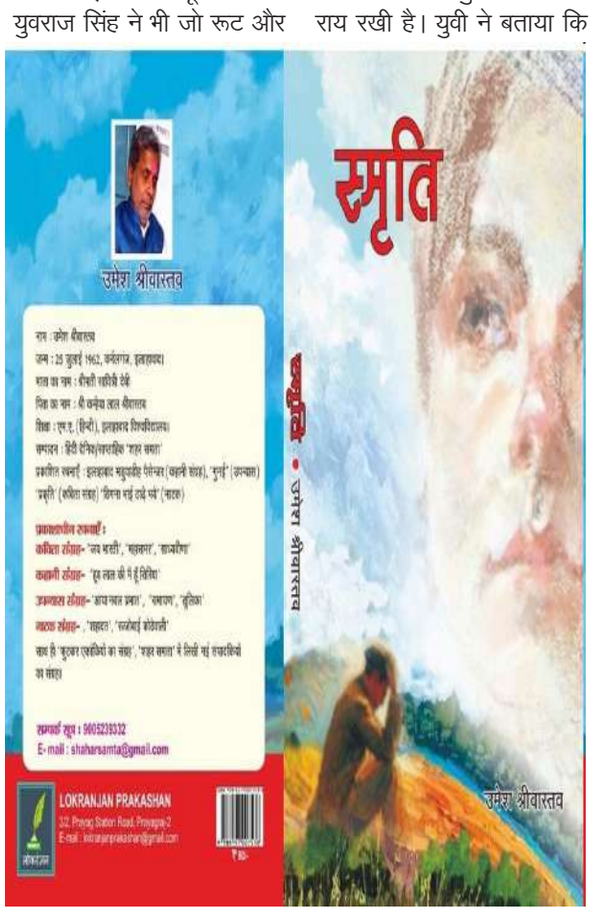

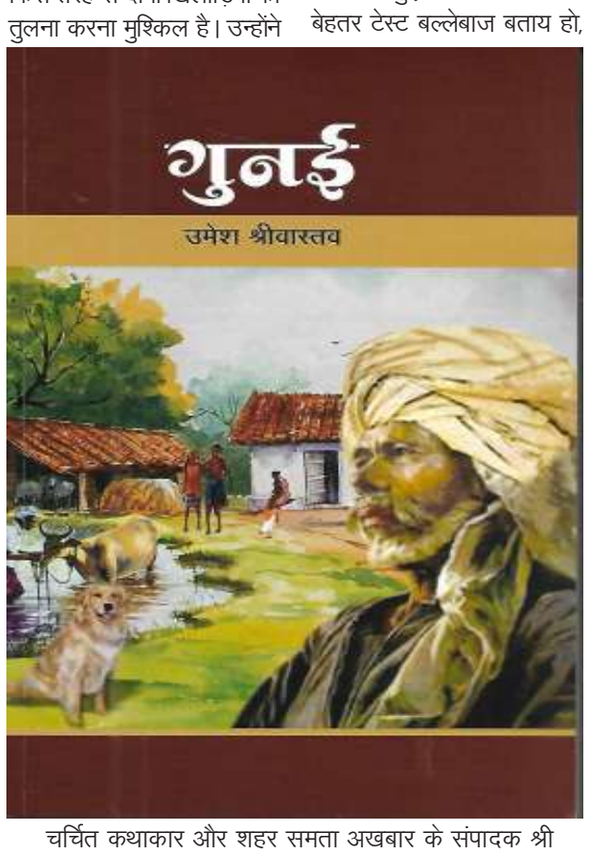

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

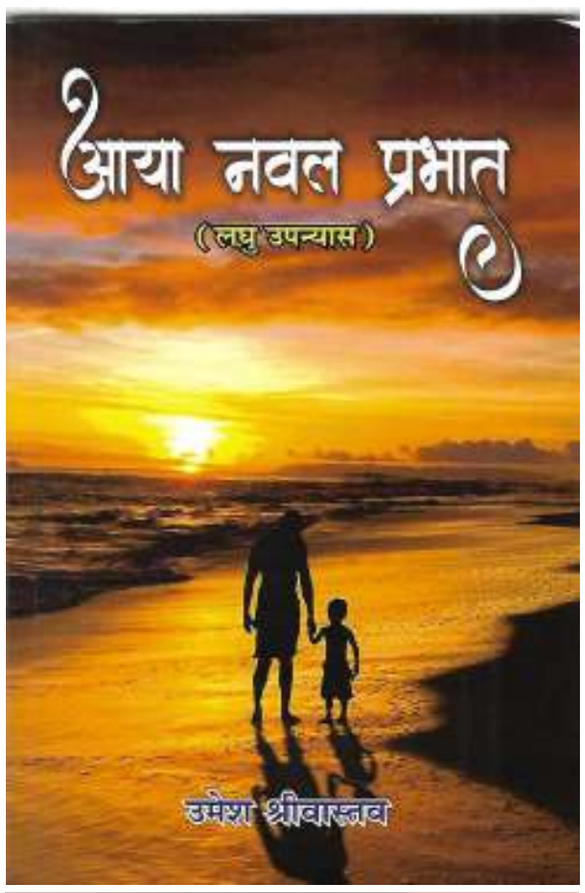

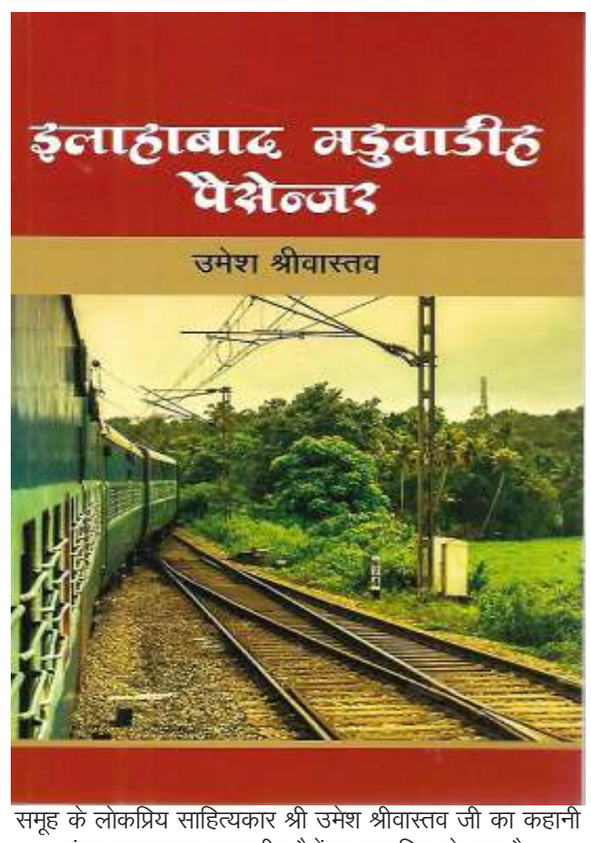

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

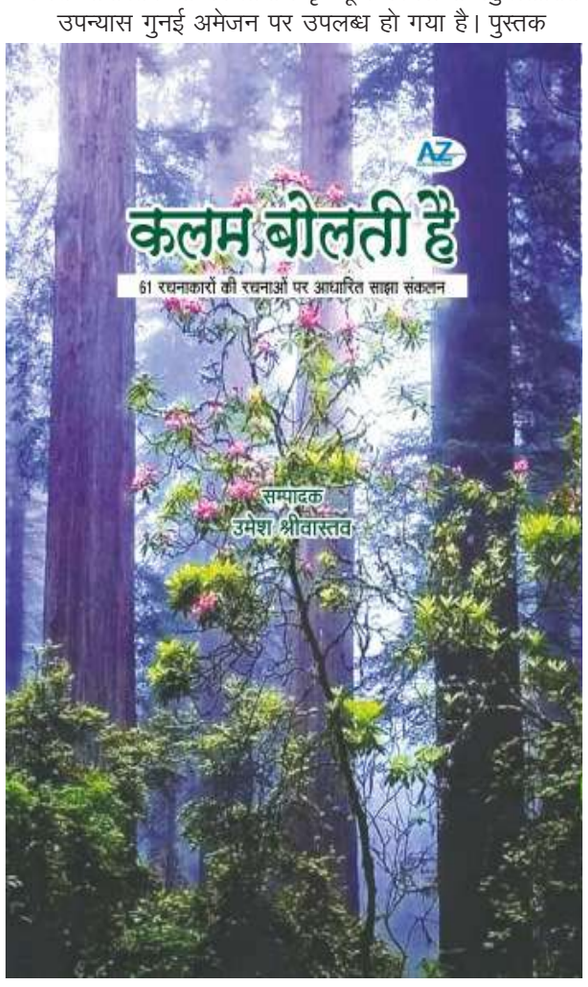

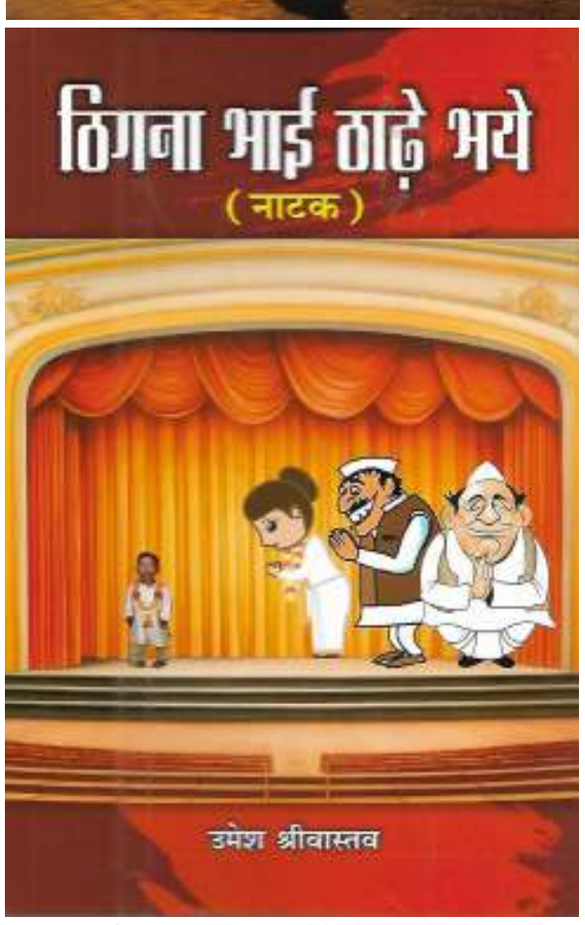

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

बाइडेन से फिर हुई गलती, वैश्विक नेताओं का स्वागत करते हुए न्यूयॉर्क को वाशिंगटन बताया

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की एक बार फिर कैमरे पर जुबान फिसल गई। वे शायद भूल गए कि वे न्यूयॉर्क में हैं और उन्होंने इसकी जगह वाशिंगटन कहकर वैश्विक नेताओं का स्वागत किया। अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने के बाद भी पद के लिए अपनी मानसिक और शारीरिक फिटनेस को लेकर बाइडेन को जांच का सामना करना पड़ रहा है।

न्यूयॉर्क के बार्कले होटल में एक संबोधन में राष्ट्रपति ने वैश्विक नेताओं का स्वागत करते हुए उन्हें धन्यवाद कहा। इसके साथ ही बाइडेन ने कहा कि वाशिंगटन में आपका स्वागत है। बाइडेन को फिर भी अपनी भूल का अहसास नहीं हुआ और उन्होंने अपना बयान जारी रखते हुए कहा कि रूस के आक्रमण के खिलाफ युद्ध में यूक्रेन के प्रति अमेरिकी समर्थन की पुष्टि की। पश्चिमी नेताओं की सभा में कीव के लिए अपने समर्थन की पुष्टि करते हुए बाइडेन ने कहा कि 944 दिनों से पुतिन ने यूक्रेन के खिलाफ अपना क्रूर हमला जारी रखा है। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक बैठक के साथ ही ये कार्यक्रम बार्कले होटल में हुआ। बाइडेन का भाषण यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की से पहले हुआ। उन्होंने ज़ेलेंस्की को उनके उपनाम का उपयोग किए बिना केवल मिस्टर प्रेसिडेंट के रूप में संदर्भित किया।

कमला हैरिस अमेरिका–मैक्सिको सीमा का दौरा करेंगी

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव में प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप खेमे से देश के दक्षिण में असुरक्षित सीमा से अवैध प्रवासियों की बड़े पैमाने पर घुसपैठ को लेकर तीखे राजनीतिक हमलों का सामना कर रहीं उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस वर्तमान स्थिति का आकलन करने के लिए अमेरिका–मैक्सिको सीमा का दौरा करेंगी। हैरिस की चुनाव प्रचार अभियान टीम ने बुधवार को

घोषणा की कि उपराष्ट्रपति शुक्रवार को डगलास, एरिजोना की यात्रा करेंगी जो अमेरिका–मैक्सिको सीमा के समीप है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी अभी उपलब्ध नहीं है। इस सप्ताह के प्रारंभ में रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ट्रंप की चुनाव प्रचार अभियान टीम ने आरोप लगाया था कि हैरिस राजनीतिक कारणों से अमेरिक–मैक्सिको सीमा की यात्रा कर रही हैं। जुलाई में डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार घोषित होने के बाद सीमाई क्षेत्र की हैरिस की यह पहली यात्रा होगी। एरिजोना से हैरिस सैन फ्रांसिस्को जाएंगी और फिर चंदा जुटाने के कार्यक्रम के लिए लॉस एंजिलिस जाएंगी। उनकी सप्ताहांत में नेवादा जाने की भी योजना है।

पाकिस्तान में शिया और सुन्नी समुदायों के लोगों के बीच झड़प में 25 लोगों की मौत

पाकिस्तान के उत्तर–पश्चिम क्षेत्र में भूमि विवाद को लेकर शिया और सुन्नी समुदाय के लोगों के बीच कई दिन से जारी झड़पों में कम से कम 25 व्यक्तियों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि अफगानिस्तान की सीमा से लगे उत्तर–पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा

प्रांत के कुर्रम जिले में पिछले सप्ताह के अंत में शुरू हुईं झड़पें बुधवार को भी जारी रहीं। उन्होंने बताया कि शनिवार से झड़पों में दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए। हाल के वर्षों में कुर्रम सांप्रदायिक हिंसा का केंद्र रहा है। अधिकारियों ने बताया कि वे देश के अशांत उत्तर–पश्चिम क्षेत्र में भूमि विवाद को सांप्रदायिक हिंसा में बदलने से रोकने की कोशिश कर रहे हैं। इस क्षेत्र में दोनों पक्षों के चरमपंथी समूह काफी सक्रिय हैं। प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता बैरिस्टर सैफ अली ने कहा कि अधिकारी कबायली बुजुर्गों की मदद से तनाव को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कुर्रम में शांति वार्ता के बाद दोनों पक्ष किसी भी तरह की हिंसा न करने पर सहमत हो गए हैं। सुन्नी बहुल पाकिस्तान की 24 करोड़ आबादी में लगभग 15 प्रतिशत शिया मुसलमान हैं तथा दोनों समुदायों के बीच काफी समय से तनाव रहा है। वैसे तो दोनों समुदाय के लोग देश में काफी हद तक शांतिपूर्ण ढंग से रहते हैं फिर भी कुछ क्षेत्रों में खासकर कुर्रम जिले के कुछ ऐसे हिस्सों में उनके बीच दशकों से तनाव देखा गया है जहां शिया समुदाय का प्रभुत्व है। जुलाई में भी भूमि विवाद को लेकर दोनों पक्षों के कई लोगों की मौत हो गई थी।

भारतीय मूल की लेखिका झुम्पा लाहिड़ी का बड़ा फैसला, नोगुची म्यूजियम से नहीं लेंगी अवॉर्ड

वॉशिंगटन। भारतीय मूल की लेखिका झुम्पा लाहिड़ी ने न्यूयॉर्क के नोगुची म्यूजियम से अवॉर्ड लेने से इनकार कर दिया है। उन्होंने केफियेह पर प्रतिबंध लगाए जाने पर नाराजगी जताते हुए यह फैसला लिया। हालांकि, म्यूजियम का कहना है कि वह पुलित्जर पुरस्कार विजेता झुम्पा के निर्णय का सम्मान करते हैं, लेकिन नई ड्रेस कोड पॉलिसी में केफियेह पर प्रतिबंध लगाया गया है। बता दें, म्यूजियम ने केफियेह (काले या सफेद कपड़े) पहनने के आरोप में तीन कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था। दरअसल, केफियेह को फलस्तीनी एकजुटता के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। इसी वजह से म्यूजियम ने नई ड्रेस कोड पॉलिसी लागू की थी, जिसके तहत केफियेह पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

कौन हैं झुम्पा लाहिड़ी?

झुम्पा लाहिड़ी का जन्म लंदन में हुआ था। वे एक आप्रवासी बंगाली भारतीय परिवार की बेटी हैं। जब वे तीन वर्ष की थीं तो उनका परिवार संयुक्त राज्य अमेरिका में रहने चला गया था। वे उपन्यास, निबंध और लघु कहानियां लिखने के लिए काफी प्रसिद्ध हैं। लाहिड़ी की बड़ी खासियत है कि उनकी लेखन शैली बहुत सरल है। उन्हें उनकी पुस्तक इंटरप्रेटर ऑफ मैलेडीजश के लिए 2000 में पुलित्जर पुरस्कार मिला था। अब उन्होंने गाजा में फलस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए केफियेह पहनने वाले कर्मचारियों को नौकरी से निकाले जाने के बाद क्वींस के नोगुची म्यूजियम से अवॉर्ड लेने से इनकार कर दिया।

म्यूजियम ने क्या कहा?

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, म्यूजियम ने बुधवार को यह जानकारी दी। नोगुची म्यूजियम का कहना है,

पुलित्जर पुरस्कार विजेता लेखिका ने अपना नामांकन वापस ले लिया है। झुम्पा लाहिड़ी ने हमारी नई ड्रेस कोड पॉलिसी के जवाब में 2024 इसामु नोगुची पुरस्कार को नहीं स्वीकार करने का फैसला किया है। हम उनके दृष्टिकोण का सम्मान करते हैं और समझते हैं कि यह पॉलिसी सभी के विचारों से मेल नहीं खा सकती। हालांकि, नई ड्रेस पॉलिस घुमने आए लोगों पर लागू नहीं होती है। न्यूयॉर्क में स्थित म्यूजियम ने कहा, हम समावेशिता और खुलेपन के अपने मूल्यों को बनाए रखते हुए इसामू नोगुची की कला और विरासत की समझ और प्रशंसा को आगे बढ़ाने के अपने मुख्य मिशन के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पिछले महीने लगाया था केफियेह पर प्रतिबंध

पिछले महीने जापानी अमेरिकी मूर्तिकार इसामु नोगुची द्वारा स्थापित म्यूजियम ने एक पॉलिसी की घोषणा की थी। इसके तहत कर्मचारियों को काम के घंटों के दौरान राजनीतिक संदेश, नारे या प्रतीक से जुड़ा कुछ भी पहनने से मना किया गया था। केफियेह पहनने के आरोप में तीन कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया गया था। इस्राइल–गाजा युद्ध पर अपने रुख के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका में अन्य लोगों को भी अपनी नौकरियां खोनी पड़ी हैं।

एक साल से जारी युद्ध

सात अक्तूबर को सबसे पहले फलस्तीन समर्थित हमास के लड़ाकों ने इस्राइल पर घुसकर हमला किया था और सैकड़ों लोगों को मार दिया था। करीब 250 लोगों को बंधक बनाकर गाजा ले गए थे। उसके बाद इस्राइल ने पलटवार करने का एलान किया और हमास के आखिरी लड़ाके को मार गिराने तक युद्ध समाप्त ना करने की कसम खाई।

मोदी के लौटते ही अमेरिका में हिंदुओं के खिलाफ बड़ी साजिश, 10 दिनों में दूसरी बार मंदिर पर हमला

अमेरिका के कैलिफोर्निया में हिंदू मंदिर पर हमला हुआ है। कैलिफोर्निया के सैक्रोमेंटो में स्वामीनारायण मंदिर को निशाना बनाया गया है। मंदिर के बाहर साइन बोर्ड पर आपत्तिजनक टिप्पणी लिखी गई है। सैक्रोमेंटो काउंटी दफ्तर की ओर से इस हमले की निंदा की गई है। वहीं बीएपीएस मंदिर की ओर से एक बयान में कहा गया कि न्यूयॉर्क में मंदिर पर हमले के 10 दिनों से भी कम समय बाद सैक्रोमेंटो में हमारे मंदिर को हिंदू विरोधी नफरत के साथ अपवित्र किया गया। गौर करने वाली बात है कि हिंदू मंदिर पर हमला उस वक्त हो रहा है जब यूनाइटेड नेशन में दुनियाभर के नेता वहां मौजूद हैं। इसको एक घृणा की श्रेणी में रखकर अमेरिका की इंवेस्टिगेटिंग एजेंसी जांच कर रही है। लेकिन

सबसे महत्वपूर्ण बात इसकी टाइमिंग है। यूएनजीए की बैठक चल रही होती है। दुनियाभर के नेता अमेरिका में मौजूद हैं। ये इस बात को भी दर्शाता है कि एंटी हिंदू और एंटी इंडिया एलिमेंट अमेरिका में मौजूद हैं और इस बात को अंजाम दे रहे हैं। कैलिफोर्निया के सैक्रामेंटो स्थित बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर में 25 सितंबर की रात को हिंदू विरोधी संदेशों के साथ तोड़फोड़ की गई। अपवित्रता की यह घटना न्यूयॉर्क के मेलविले स्थित बीएपीएस मंदिर में इसी तरह की घटना के दस दिन से भी कम समय बाद हुई है। दीवारों पर लिखे गए संदेशों में हिंदुओं वापस जाओ जैसे धमकी भरे शब्द शामिल थे। इस स्लोगन के बाद स्थानीय हिंदू समुदाय में गंभीर चिंता पैदा हो गई है। समुदाय के नेताओं ने नफरत के खिलाफ एकजुट होने का संकल्प लिया है और शांति और एकता को बढ़ावा देने के लिए अपने समर्पण पर जोर दिया है। बीएपीएस के आधिकारिक एक्स पोस्ट में लिखा है हम शांति के लिए प्रार्थना करते हुए घृणा के विरुद्ध एकजुट हैं। न्यूयॉर्क में बीएपीएस मंदिर के अपमान के 10 दिन से भी कम समय बाद, कल रात कैलिफोर्निया के सैक्रामेंटो क्षेत्र में हमारे मंदिर का अपमान किया गया, जिसमें हिंदू विरोधी घृणा का भाव था। इस घटना पर हिंदू समुदाय की ओर से तीखी प्रतिक्रिया हुई है। इस परेशान करने वाली घटना के बाद, समुदाय के सदस्य प्रार्थना समारोह के लिए एकत्र हुए और परम पावन महंत स्वामी महाराज से शांति और एकजुटता की शिक्षाओं से सांत्वना प्राप्त की।

इटली की पीएम मेलोनी को डेट कर रहे हैं एलन मस्क ? तस्वीरें वायरल होने पर जानें क्या कहा

दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क क्या इटली की प्रधानमंत्री को डेट कर रहे हैं? ये सवाल इन दिनों सुर्खियों में है। दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ज्यादातर किसी न किसी वजह से चर्चा में बने रहते हैं। लेकिन इस बार वो सुर्खियों में इसलिए हैं क्योंकि इस बार उनके साथ इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी का नाम जोड़ा जा रहा है। असल में इस समय दोनों की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। इन तस्वीरों में मस्क और मेलोनी साथ में दिखाई दे रहे हैं। इन तस्वीरों के वायरल होने के बाद दुनियाभर में ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि दोनों लोग एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। एलन मस्क की तरफ से इसको लेकर प्रतिक्रिया भी सामने आ गई है। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के अवसर पर आयोजित एक पुरस्कार समारोह में टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की प्रशंसा की थी। इवेंट में दोनों को साथ टेबल पर बैठकर एक दूसरे को निहारते नजर आए। नेटिज़ेंस ने इंटरनेट पर सनसनी मचा दी। कई यूजर्स ने दोनों को परफेक्ट कपल तक करार दे दिया। हालांकि मस्क ने इन अटकलों पर विराम लगा दिया है। एलन मस्क ने इस फोटो को रिपोस्ट करते हुए कहा कि नहीं, हम एक दूसरे को डेट नहीं कर रहे हैं। हम डेट नहीं कर रहे हैं। वैसे ये कोई पहली बार नहीं है जब इंटरनेट पर दोनों की जोड़ी को लेकर अटकलों का बाजार गर्म हुआ हो। पिछले साल दिसंबर में एक्स पर कई पोस्ट में दावा किया गया था कि मस्क द्वारा रोम में एक राजनीतिक उत्सव में भाग लेने के लिए मेलोनी के निमंत्रण को स्वीकार करने के बाद दोनों एक साथ नजर आए थे। जॉर्जिया मेलोनी को अटलांटिक काउंसिल ग्लोबल सिटीजन अवार्ड प्रदान करते हुए एलन मस्क

ने कहा कि यह सम्मान किसी ऐसे व्यक्ति को प्रदान करना सम्मान की बात है जो बाहर से कहीं अधिक अंदर से सुंदर है।

ट्रंप के बाद ओबामा की सुरक्षा में चूक, हथियारबंद शख्स पूर्व राष्ट्रपति की कार के पास पहुंचा, फिर...

वॉशिंगटन। रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर हाल ही में जानलेवा हमला हुआ था, तब अमेरिका की सीक्रेट सर्विस पर सवाल खड़े हो गए थे। अब एक बार फिर संघीय एजेंसी सवालों के घेरे में हैं। बताया जा रहा इस बार पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की सुरक्षा में लापरवाही हुई है। दरअसल, एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि डेमोक्रेट नेता से कथित तौर पर लॉस एंजिल्स में एक शस्त्रियारबंदश व्यक्ति ने संपर्क किया था। हालांकि, एजेंसी ने स्पष्ट किया कि ये दावे गलत हैं और पूर्व राष्ट्रपति की सुरक्षा को लेकर कोई डर नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, ओबामा लॉस एंजिल्स में अपने पसंदीदा रेस्तरां मदर वुल्फ के बाहर अपनी कार एसयूवी में बैठे थे, तभी एक व्यक्ति उनकी गाड़ी के पास पहुंचा। उस समय पूर्व राष्ट्रपति अपने लैपटॉप पर काम कर रहे थे। इस पर सीक्रेट सर्विस ने सफाई देते हुए इन दावों को गलत बताया। सीक्रेट सर्विस के एक प्रतिनिधि ने कहा, सीक्रेट सर्विस हमारे सुरक्षा के साधनों और तरीकों के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दे सकती, लेकिन हम इस बात की पुष्टि कर सकते हैं कि जब व्यक्ति गली से नीचे जा रहा था, उस समय कोई भी सीक्रेट सर्विस सुरक्षा प्राप्त व्यक्ति वाहन में मौजूद नहीं था। ये दावे गलत हैं। विवादित फोटो वहां से निकलने के समय की है, कथित घटना के दौरान की नहीं।

क्या कहा प्रत्यक्षदर्शियों ने?

हालांकि, मीडिया रिपोर्ट में प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से इसके उलट बताया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है, एक सशस्त्र सुरक्षा गार्ड ओबामा से कुछ इंच की दूरी पर था। उसने देखा कि पूर्व राष्ट्रपति अपनी एसयूवी की पिछली सीट पर बैठे लैपटॉप का इस्तेमाल कर रहे हैं। तभी गार्ड घबरा गया क्योंकि उसे एहसास हुआ कि उसके पास हथियार है और कार के अंदर बैठा शख्स सीक्रेट सर्विस की सुरक्षा में हैं। इसके बाद वह तुरंत कार से दूर चला गया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

भारत के लिए तुर्किए ने पहली बार पाकिस्तान को दे दिया झटका, मोदी करेंगे एर्दोगन की ख्वाहिश पूरी?

तुर्किए ने पहली बार पाकिस्तान के एजेंडे से किनारा कर लिया है, जिसने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। हर जगह इस शानदार खबर की चर्चा हो रही है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि तुर्किए ऐसा भारत को खुश करने के लिए कर रहा है। एक बड़े मकसद के लिए पहली बार तुर्किए ने खुद को कश्मीर के मुद्दे से अलग कर लिया है। ये भारत के लिए एक बड़ी कूटनीतिक जीत है। दुनिया को हैरान करते हुए तुर्किए के राष्ट्रपति एर्दोआन ने संयुक्त राष्ट्र की आम सभा को संबोधित करते हुए कश्मीर का जिक्र नहीं किया। इस खबर से पाकिस्तान में खलबली मच गई है। पाकिस्तान के अलावा तुर्किए ही ऐसा देश था जो संयुक्त राष्ट्र की जनरल असेंबली में कश्मीर का मुद्दा उठाता रहा था। कश्मीर पर एर्दोगन का क्या रहा है स्टैंड 2023 में एर्दोगन ने भारत और पाकिस्तान से दक्षिण एशिया में स्थायी शांति के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। एर्दोगन ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत और सहयोग के माध्यम से कश्मीर में न्यायपूर्ण और स्थायी शांति की स्थापना होगी। 2022 में एर्दोआन ने भारत और पाकिस्तान के बीच शांति के मुद्दे पर खेद व्यक्त किया। उन्होंने आगे कहा कि ऐसी शांति कश्मीरियों तक भी पहुंचनी चाहिए।

विभिन्न देशों के राजदूत पाकिस्तान में 'राजनीतिक अराजकता' पर गंभीर चिंता जता रहे हैं : मरयम नवाज

लाहौर। पंजाब की मुख्यमंत्री मरयम नवाज ने नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान में निवेश करने से 'मित्र देशों' के हिचकिचाने की खबरों के बीच बुधवार को कहा कि विभिन्न देशों के राजदूत इस मुल्क में ''राजनीतिक अराजकता'' पर गंभीर चिंता व्यक्त कर रहे हैं। मरयम ने पंजाब के फैसलाबाद शहर में एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ''आज एक देश के राजदूत ने (पूर्व प्रधानमंत्री और पीएमएल–एन अध्यक्ष) नवाज शरीफ तथा मुझसे मुलाकात की तथा पाकिस्तान में 'राजनीतिक अराजकता' के बारे में पूछा। नवाज शरीफ ने उन्हें बताया कि पाकिस्तान में राजनीतिक उथल–पुथल कोई नयी बात नहीं है और वह इसे देखते हुए ही बड़े हुए हैं।'' चीन के राजदूत जियांग जैडोंग ने बुधवार को लाहौर में नवाज तथा मरयम से मुलाकात की। इससे एक दिन पहले पाकिस्तान में अमेरिका के राजदूत डोनाल्ड ब्लोम ने दोनों नेताओं से मुलाकात की थी और देश में मौजूदा राजनीतिक हालात पर चर्चा की थी। मरयम ने कहा कि पाकिस्तान में राजनीतिक उथल–पुथल आम बात है और उन्हें भी नहीं पता कि वह कितने समय तक पद पर बनी रहेंगी। उन्होंने कहा, ''देश में राजनीतिक अराजकता जारी है और मुझे भी नहीं पता कि मैं कब तक पद (मुख्यमंत्री) पर बनी रहूंगी।'' पिछले दो वर्षों से पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ रही है और देश की सबसे लोकप्रिय पार्टी – पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) का सैन्य प्रतिष्ठान के साथ टकराव चल रहा है। पीटीआई सुप्रीमो और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान कई मामलों में एक साल से अधिक समय से जेल में हैं और सैन्य प्रतिष्ठान पर इस साल हुए आम चुनाव में व्यापक पैमाने पर धांधली के बाद शहबाज शरीफ की सरकार स्थापित करने का आरोप है। पीटीआई ने दावा किया कि इस चुनाव में उसने दो–तिहाई बहुमत हासिल किया था।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।